मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 4 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 7 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 342, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ जीवंत है श्रीकृष्ण का विराट व्यक्तित्व और जीवन-दर्शन

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित ◂◂ 6

नदी में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत, अन्य की तलाश जारी

शहर के पांच स्कूली छात्र नहाने के लिए नदी गये थे

मेट्रो रेज

चतरा: जिले से आज तड़के एक हृदयविदारक घटना सामने आई। सदर थाना क्षेत्र के बरैनी पंचायत अंतर्गत घूरनाडीह स्थित तड़गू नदी चटनिया में नहाने गए दो स्कूली छात्रों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों छात्रों को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान जिला मुख्यालय के धनगरटोली मोहल्ला निवासी मुकेश सोनी के 16 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार और चौर मोहल्ला निवासी परमेश्वर राम के 11 वर्षीय पुत्र अंश प्रकाश के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक चतरा शहर के चार से पांच बच्चे नदी में नहाने गए थे। इसी क्रम में यह घटना घटी। वही तीसरे बच्चे का अभी तक पता नहीं चल सका है। उसकी नदी में तलाश जारी है। सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया कि आज सुबह पांच से छह बच्चे एक ग्रुप बनाकर नदी में नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान दो बच्चे गहरे पानी में डूब गए, जबकि अन्य का पता नहीं चला है। पुलिस को घटनास्थल के पास से दो साइकिल, तीन जोड़ी चप्पल, दो बैग समेत अन्य सामान मिला है। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि छानबीन की जा रही है।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर ,चालक की मौत

जामताड़ा : जिले में गुरुवार देर शाम सड़क हादसा हुआ। करमाटांड़ थाना क्षेत्र के शीतलपुर-बिशनपुर गांव के समीप ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से चालक (20 वर्षीय) की मौत हो गई। जबकि दो मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई।

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटाः जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर पर चालक के अलावा दो मजदूर सवार थे। सामान खाली करने के बाद ट्रैक्टर ताराबहाल की ओर लौट रहा था। इसी दौरान बिशनपुर के समीप अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रैक्टर का बड़ा चक्का चालक के ऊपर आ गया और वह उसके नीचे दब गया।

ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर के नीचे दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला। वाहन की सुविधा नहीं मिलने पर घायलों को टोटो से कलाझरिया मुख्य मार्ग तक पहुंचाया गया।

घटना की सूचना मिलने पर जिप सदस्य सुरेंद्र मंडल भी मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से तीनों को जामताड़ा सदर अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने ताराबहाल निवासी व्यास महतो (20 वर्षीय) को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। एक का हाथ फ्रैक्चर हुआ है, जबकि दूसरे को भी गंभीर चोट आई है।

इकलौते बेटे की मौत से मां-बाप बेसुधः व्यास की मौत की खबर जैसे ही ताराबहाल गांव पहुंची, पूरे गांव में मातम छा गया। व्यास अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। बेटे की मौत की खबर सुनकर मां-बाप बेसुध हो गए। मां अपने इकलौते बेटे को याद कर बार-बार बेसुध हो रही है। वहीं पिता श्रवण महतो की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

अंधविश्वासः एक ही परिवार के तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मलेरिया-टाइफाइड होने पर कराया झाड़-फूंक

संवाददाता

रामगढ़ : जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र स्थित पाली गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतकों में संगीता और उसके दो बेटे रामकिशुन व साहिल शामिल हैं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, परिवार में बीमारी फैलने के बाद इलाज कराने के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लिया गया। इसके बाद मां और दोनों बेटों की मौत हो गई।

मलेरिया-टाइफाइड होने पर झाड़-फूंक कराया: बताया जा रहा है कि दोनों बेटों की तबीयत खराब होने पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। जांच के दौरान मलेरिया और टाइफाइड की बात सामने आई थी। हालांकि परिजनों ने कथित तौर पर चिकित्सकीय उपचार के साथ झाड़-फूंक का सहारा लिया। हालत बिगड़ने पर दोनों बेटों की मौत हो गई।

रिम्स में इलाज के दौरान मां ने भी दम तोड़ा: दोनों बेटों की हालत बिगड़ने के बाद मां संगीता की तबीयत भी बिगड़ ई। उसे रामगढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया। रिम्स में इलाज के दौरान देर रात संगीता ने भी दम तोड़ दिया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत के बाद गांव में हड़कंप मच गया।

घटना को लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इसको लेकर आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

ईओएस-05 के निर्धारित कक्षा में पहुंचने पर बोले पीएम मोदी

इसरो की एक और शानदार उपलब्धि, भारत के लिए गर्व का पल

नई दिल्ली : शुक्रवार को जीएसएलवी-एफ 17 ने ईओएस-05 उपग्रह को निर्धारित कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाकर अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसरो की इस सफलता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्व का पल बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, इसरो की एक और शानदार उपलब्धि और हमारे देश के लिए गर्व का पल। भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट ईओएस-05 को जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च, भारत के स्पेस सेक्टर की उत्कृष्टता, इनोवेशन और बढ़ती क्षमताओं को दशार्ता है। इसरो और भारतीय इंडस्ट्री के बीच बढ़ती साझेदारी हमारे स्पेस प्रोग्राम को नई ताकत और विस्तार दे रही है, साथ ही पूरे स्पेस इकोसिस्टम में भारत की क्षमताओं को बढ़ा रही है। इसरो की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया, मिशन सफल! जीएसएलवी-एफ 17 ने ईओएस-05 को तय कक्षा में स्थापित करके अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सफल लॉन्च के बाद इसरो प्रमुख डॉ वी नारायणन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि जीएसएलवी-एफ 17 व्हीकल ने एडवांस्ड अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-05 (जियो इमेजिंग सैटेलाइट) को सफलतापूर्वक और सटीक रूप से उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

लैंडिंग के बाद खंभे से टकराया इंडिगो विमान , हादसे की उच्चस्तरीय जांच शुरू

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। नवी मुंबई से यात्रियों को लेकर श्रीनगर पहुंची इंडिगो की एक फ्लाइट लैंडिंग के बाद पार्किंग क्षेत्र में लगे खंभे से टकरा गई। टक्कर के वक्त विमान में दर्जनों यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे। गनीमत यह रही कि इस घटना में सभी यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह बाल-बाल बच गए और किसी को भी चोट नहीं आई।

पार्किंग के दौरान वीडीजीएस सिस्टम के खंभे से जा भिड़ा विमान: रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6ए 225 सुबह करीब 9 बजकर 2 मिनट पर श्रीनगर एयरपोर्ट पर उतरी थी। लैंडिंग के बाद जब विमान को बे-नंबर 6 पर पार्क किया जा रहा था, तभी वह अचानक विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम (वीडीजीएस) के खंभे से टकरा गया। अचानक हुए इस झटके से यात्रियों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने तुरंत स्थिति को संभाला और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बावजूद रनवे पर उड़ानों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी है।

हादसे की उच्चस्तरीय जांच शुरू, तकनीकी चूक की आशंका: हवाई पट्टी पर इस तरह की गंभीर चूक कैसे हुई, इसे लेकर श्रीनगर एयरपोर्ट अथॉरिटी ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह हादसा पायलट की चूक से हुआ या डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम में कोई तकनीकी खराबी आ गई थी। फिलहाल एविएशन सुरक्षा दल घटनास्थल का मुआयना कर रहा है।

एक दिन पहले पायलट की बिगड़ी तबीयत, मस्कट डायवर्ट हुई थी फ्लाइट: इंडिगो एयरलाइंस के साथ बीते 24 घंटे में यह दूसरी अप्रत्याशित घटना है। इससे पहले गुरुवार को दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की उड़ान 6ए 1302 (ए321 विमान) को उस वक्त मस्कट की ओर मोड़ना पड़ा था, जब बीच हवा में मुख्य पायलट की तबीयत अचानक बेहद खराब हो गई। विमान की मस्कट में इमरजेंसी लैंडिंग कराकर पायलट को तुरंत मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई गई। इसके बाद यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरे विमान और नए क्रू का इंतजाम करना पड़ा था।

लंबे समय तक सहमति से बने शारीरिक संबंध को शादी न होने पर दुष्कर्म नहीं माना जा सकताः झारखंड

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि लंबे समय तक दो बालिगों के बीच सहमति से बने रिश्ते को महज इसलिए दुष्कर्म नहीं माना जा सकता कि बाद में शादी नहीं हो सकी। हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने गिरिडीह निवासी युवक के खिलाफ दर्ज एफआईआर, निचली अदालत के संज्ञान आदेश और पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों को सही मान भी लिया जाए, तब भी प्रथमदृष्टया यह मामला दो वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बने संबंध का प्रतीत होता है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर युवक के

खिलाफ आईपीसी की धारा 376(2)(एन) के तहत अपराध नहीं बनता। मामला वर्ष 2016 का है। एक दोस्त की शादी में महिला और युवक की पहली मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और फोन नंबरों का आदान-प्रदान हुआ। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। महिला का आरोप था कि युवक उससे गिरिडीह रेलवे स्टेशन के आसपास मिलता था और शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। यह रिश्ता करीब सात साल तक चलता रहा। महिला के अनुसार, दिसंबर 2022 में युवक उसे लेकर रांची आया था। दोनों यहां एक होटल में ठहरे, जहां उनके बीच शारीरिक संबंध बने। महिला का कहना था कि वह लगातार युवक पर शादी के लिए दबाव बनाती रही, लेकिन वह हर बार बात टाल देता था। अप्रैल 2023 में युवक ने अचानक अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। इसके बाद महिला ने उसके परिजनों से संपर्क किया। आरोप है कि युवक के परिवार ने शादी से इनकार करते हुए महिला के साथ दुर्व्यवहार किया। इसके बाद महिला ने गिरिडीह महिला थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद चार्जशीट दाखिल की और सीजेएम अदालत ने मामले में संज्ञान लिया। इसके खिलाफ युवक ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पूरी आपराधिक कार्यवाही रद्द करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान युवक की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के फैसलों का हवाला दिया गया।

हाईकोर्ट ने प्रमोद सूर्यभान पवार' और वर्ष 2024 के महेश दामू खरे' मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि शादी का वादा तभी झूठा या छलावा माना जाएगा, जब संबंध की शुरूआत के समय ही आरोपी की शादी करने की नीयत नहीं रही हो और उसी झूठे वादे के आधार पर महिला की सहमति प्राप्त की गई हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि संबंध शुरू करते समय शादी करने का इरादा था, लेकिन बाद में परिस्थितियों, विवाद या अन्य कारणों से शादी नहीं हो पाई, तो हर ऐसे मामले को शादी का झूठा वादा मानकर दुष्कर्म का अपराध नहीं बनाया जा सकता।

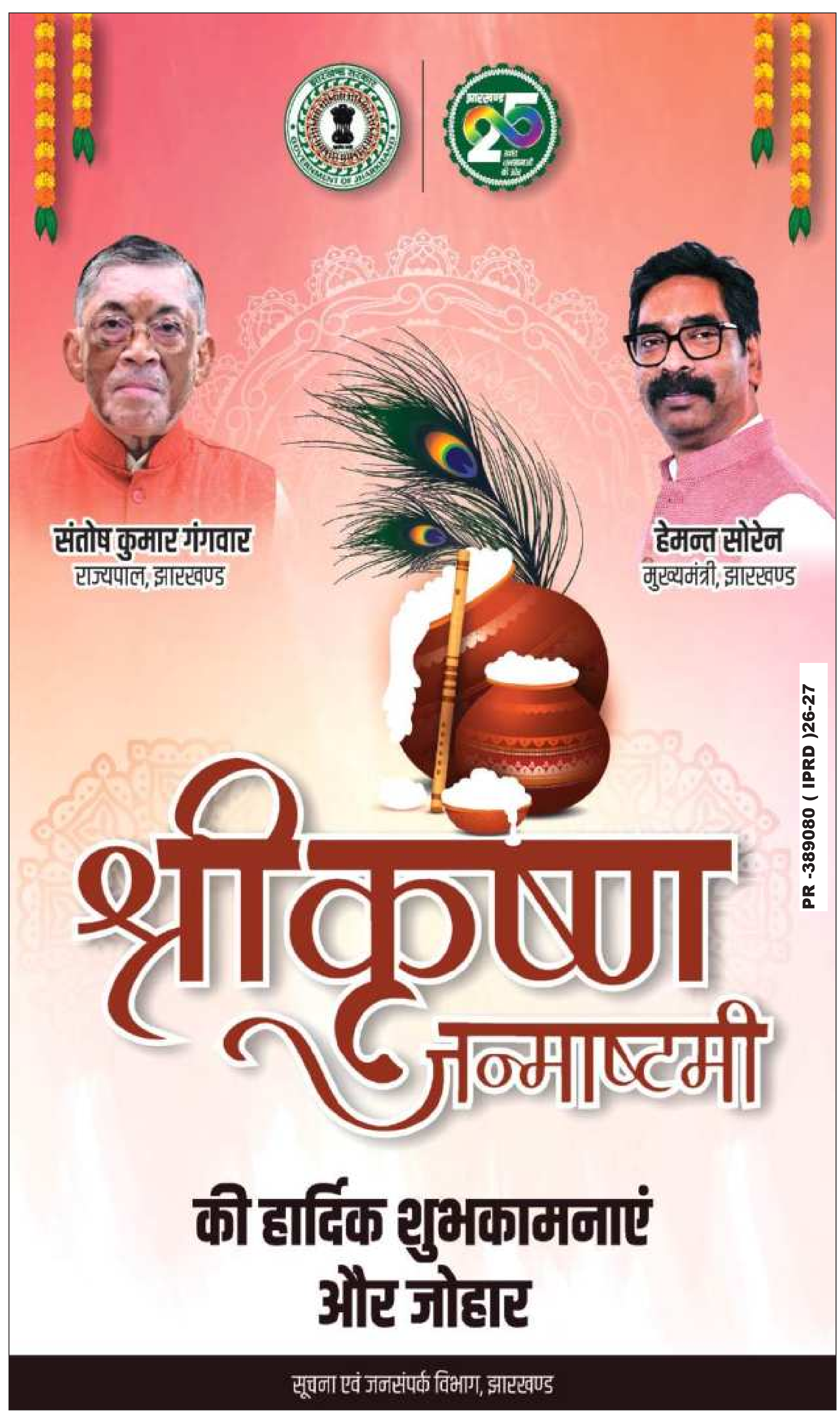

पलामू में एसीबी की बड़ी कार्रवाई छतरपुर, नौडीहा बाजार और चैनपुर थाना क्षेत्रों में छापेमारी, छह गिरफ्तार

संवाददाता

पलामूः भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो की पलामू इकाई ने एक पुराने गबन मामले में बड़ी कार्रवाई की है। जांच पूरी होने और न्यायालय के आदेश के बाद एसीबी ने कल्याण विभाग की योजना से जुड़े अध्यक्ष, सचिव, संवेदक समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि कल्याण विभाग की योजना में राशि के कथित गबन को लेकर इन सभी के विरुद्ध मामला दर्ज था। लंबे समय से चल रही जांच के बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय के आदेश पर सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसीबी की पलामू इकाई ने छतरपुर, नौडीहा बाजार और चैनपुर थाना क्षेत्रों में मैराथन छापेमारी कर करीब तीन दशक पुराने मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार

आरोपितों में कई सेवानिवृत्त लोक सेवक और ठेकेदार शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपित फरार होने में सफल रहे।

वहीं, इस मामले में वांछित कई अन्य आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है। एसीबी की इस कार्रवाई को पुराने भ्रष्टाचार और सरकारी राशि के गबन से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।मामला करीब 3 दशक पुराना (अविभाजित बिहार के समय सड़क और कूप निर्माण योजनाओं में वित्तीय अनियमितता)।एसीबी ने 2016 में दर्ज किया था।

1990 के दशक में सड़क और कूप निर्माण की योजनाओं में गड़बड़ी : मामला अविभाजित बिहार के समय की सरकारी योजनाओं से जुड़ा है। वर्ष 1996 के आसपास छतरपुर और नौडीहा बाजार क्षेत्र में सड़क और कूप निर्माण समेत ग्रामीण बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन कराया गया था। आरोप है कि योजनाओं के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता की गई और सरकारी राशि के दुरुपयोग की शिकायत सामने आई।डेढ़ दर्जन आरोपितों में छह गिरफ्तार

एसीबी की जांच में मामले में करीब डेढ़ दर्जन लोगों के आरोपित होने की बात सामने आई। इनमें तत्कालीन सरकारी कर्मियों के साथ योजना से जुड़े संवेदक और अन्य लोग शामिल हैं। गुरुवार को एसीबी ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी शुरू की। कई घंटे चली कार्रवाई के बाद छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पहले से उपलब्ध जानकारी के अनुसार गिरफ्तार लोगों में छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटीन निवासी महेश प्रसाद गुप्ता उर्फ भोला व्यास और नौडीहा निवासी रामचंद्र यादव उर्फ चनर यादव समेत तत्कालीन पंचायत सेवक शामिल हैं। संबंधित पंचायत सेवक अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

हनुमानजी के दर्शन के नाम पर बुजुर्ग महिला से 20 लाख की ठगी

अयोध्या का पुजारी बनकर आये ठग,बेटे की दुर्घटना का दिखाया डर

संवाददाता

रांचीः सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के शिव शक्तिनगर में गुरुवार सुबह मंदिर में पूजा कर घर लौट रही बुजुर्ग महिला रेणु कुशवाहा से ठगों ने करीब 20 लाख रुपए के गहने ठग लिए। घटना सुबह 9.45 बजे वाल्मीकि नगर में हुई। भुक्तभोगी रेणु कुशवाहा, पति स्व. उदय कुमार कुशवाहा (पूर्व जेल सुपरिंटेंडेंट), ने सुखदेवनगर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। महिला के अनुसार, दोनों ठगों की उम्र 30-35 वर्ष के बीच है।

एक युवक ने खुद को अयोध्या का पुजारी बताकर महिला को रोका और बातचीत में उलझा लिया। इसके बाद दोनों युवकों ने अलग-अलग तरीके से उसका विश्वास जीता और उपाय के नाम पर गहने उतरवा लिए। महिला ने शिकायत में बताया कि ठग चार कंगन (50 ग्राम), दो हीरा जड़ित चूड़ी, 10 ग्राम सोने की चेन और एक लॉकेट ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटे की दुर्घटना के उपाय के नाम पर झांसाः रेणु कुशवाहा के अनुसार, खुद को अयोध्या का पुजारी बताने वाले युवक ने पहले पानी पीने के लिए पांच रुपए मांगे। इसी दौरान उसका साथी भी वहां पहुंच गया। युवक ने महिला से कहा कि उसके बेटे की कल दुर्घटना होना तय है। इससे महिला घबरा गई। दूसरे युवक से कहा कि तुम्हारी मां भी बीमार है, तुम 11 रुपए हाथ में लेकर आगे बढ़ो, हनुमान जी के दर्शन होंगे। युवक कुछ दूर जाकर लौटा और हाथ में हनुमान जी की मूर्ति दिखाई। इससे महिला को उनकी बात पर विश्वास हो गया।

हनुमानजी को पसंद नहीं सोना, गहने उतारोः पीड़िता के अनुसार, इसके बाद ठग ने उसे भी हाथ में 51 रुपए लेकर आगे बढ़ने को कहा। महिला जैसे ही आगे बढ़ी, उसने कहा कि हनुमान जी को सोना पसंद नहीं है। रावण की सोने की लंका भी हनुमान जी ने जला दी थी। उसने महिला से गहने उतारकर युवक को देने और बाद में वापस ले लेने को कहा। महिला ने गहने उतारकर युवक को दे दिए। जैसे ही वह आगे बढ़ी, दोनों युवक जेवर लेकर भाग निकले।

सदर राज्य का पहला अस्पताल, जहां रेटिना हेमरेज का होगा इलाज

खरीदी जाएगी ओसीटी व फंडस फोटोग्राफी मशीन

संवाददाता

रांचीः रेटिना हेमरेज के मरीजों के लिए राहत की खबर है। राज्य में पहली बार सरकारी अस्पताल में इसका इलाज शुरू होने जा रहा है। रांची सदर अस्पताल ने स्वास्थ्य विभाग को प्रस्ताव भेजकर जरूरी उपकरण और विशेषज्ञ टीम मांगी है। अस्पताल में एक सप्ताह के भीतर ओसीटी (ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी) और फंडस फोटोग्राफी मशीन लगाने की तैयारी है।

मशीनें लगते ही इलाज शुरू होगा। डॉ. प्रिया मरीजों का इलाज करेंगी। निजी अस्पतालों में इंजेक्शन की पहली डोज पर 18-20 हजार रुपए खर्च होते हैं, जबकि सदर अस्पताल में यह करीब 6 हजार रुपए में उपलब्ध होगा। रेटिना हेमरेज के संपूर्ण इलाज पर निजी अस्पतालों में एक लाख रुपए तक खर्च होते हैं, जबकि सदर में करीब 20 हजार रुपए में इलाज होगा।

आयुष्मान से जोड़ने की भी तैयारी : सदर अस्पताल में शुरू होने वाली इस सुविधा को आयुष्मान योजना से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है। मुफ्त में इलाज होगा।

माध्यमिक सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा पर फैसला

5 निजी विवि के 218 अभ्यर्थियों के सर्टिफिकेट की जांच करेगा शिक्षा विभाग

संवाददाता

रांचीः माध्यमिक सहायक आचार्य नियुक्ति मामले में निजी यूनिवर्सिटी से पास अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की फिर से जांच होगी। यह जांच उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग करेगा। शिक्षा विभाग ने इसके लिए पत्र भेजा है। माध्यमिक सहायक आचार्य के लिए अनुशंसित 877 अभ्यर्थियों में से 218 निजी यूनिवर्सिटी से पास हुए हैं। इन्होंने अपनी शैक्षणिक डिग्रियां (जैसे बीएड, एमए या अन्य संबंधित योग्यताएं) देश या राज्य के निजी विश्वविद्यालयों से ली हैं। इतनी बड़ी संख्या में निजी यूनिवर्सिटी से पास अभ्यर्थियों के चयन होने से उनकी योग्यता और डिग्री की वैधता को लेकर शिक्षा विभाग ने सम्यक जांच का निर्णय लिया है।

शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने इन अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की सूक्ष्मता से जांच करने पर जोर दिया है। ऐसे में यह स्पष्ट हो चुका है कि नियुक्ति पत्र वितरण में अभी समय लगेगा। फिर से फ्रेश काउंसलिंग भी हो सकता है। निजी विश्वविद्यालयों से पास हुए अभ्यर्थियों में झारखंड के राधागोविंद विश्वविद्यालय, वाईबीएन विश्वविद्यालय,

सिक्किम के अल्पाइन विश्वविद्यालय समेत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के तीन प्राइवेट यूनिवर्सिटी के हैं। हाल ही में हुई महिला पर्यवेक्षिकाओं की नियुक्ति में भी झारखंड के इन दो निजी विश्वविद्यालयों से पास हुई अभ्यर्थियों पर सवाल खड़े हुए थे। शिक्षा विभाग इस संदर्भ में सर्तकता से आगे बढ़ रहा है।

877 अभ्यर्थियों की अनुशंसा, इनमें 218 निजी विवि से पासः महिला पर्यवेक्षिका नियुक्ति में गड़बड़ी मिलने पर हुई जांच : 33 महिला पर्यवेक्षिकाओं की नियुक्ति में अनियमितता उजागर होने के बाद शिक्षा विभाग ने आंतरिक जांच कराई। स्क्रूटनी में पता चला कि यहां भी निजी यूनिवर्सिटी से पास आउट अभ्यर्थियों की संख्या अधिक है। ऐसे में इन अभ्यर्थियों के एक-एक प्रमाण पत्रों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। राज्य में लगभग 1373 माध्यमिक सहायक आचार्यों की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। इनमें से 877 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा जेएसएससी ने शिक्षा विभाग से की है। इन अभ्यर्थियों के बारे में शिक्षा सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक को शिकायत मिली। जब जांच हुई, तो इसकी पुष्टि हुई। आशंका है कि साइबर सिक्यूरिटी एंड डेटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और एआई के कुछ अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र गलत हो सकते हैं।

+2 उच्च विद्यालयों में नियुक्ति के लिए अनुशंसित हुआ नामः यह नियुक्ति परीक्षा राज्य के प्लस-टू उच्च विद्यालयों में विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित माध्यमिक आचार्यों (कक्षा 9 से 12) के लिए आयोजित की गई थी। जेएसएससी द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा, निर्धारित अर्हता तथा दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही अंतिम अनुशंसा सूची तैयार की गई है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) और झारखंड सरकार के नियुक्ति नियमों के अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले योग्य और पात्र अभ्यर्थी इस प्रक्रिया में शामिल होने के पात्र माने गए हैं। पूरी चयन प्रक्रिया निर्धारित नियमों और मानकों के तहत संपन्न हुई है।

निजी यूनिवर्सिटी की डिग्री की होगी जांच : निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने कहा कि माध्यमिक सहायक आचार्य नियुक्ति की अनुशंसा में शामिल कई अभ्यर्थियों ने निजी यूनिवर्सिटी से डिग्री ली है। उनके प्रमाण पत्रों की जांच उच्च शिक्षा विभाग करेगा। जांच के बाद ही इनकी वैधता और मान्यता को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

पुरी-पटना एक्सप्रेस का बदला लुक, अब एलएचबी कोच के साथ दौड़ेगी ट्रेन

संवाददाता

रांची/जामताड़ाः यात्रियों की सुविधा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार के लिए रेलवे ने 18405/18406 पुरी-पटना-पुरी एक्सप्रेस के वर्तमान आईसीएफ रेक को एलएचबी रेक में बदलने का निर्णय लिया है। ट्रेन में यह बदलाव 5 सितंबर 2026 से पुरी से और 6 सितंबर 2026 से पटना से प्रभावी होगा।

18 एलएचबी कोच से चलेगी ट्रेन : रेलवे के अनुसार, ट्रेन में कुल 18 आधुनिक एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। इनमें एक लगेज-कम-जनरेटर कोच, एक लगेज-कम-सीटिंग-कम-दिव्यांगजन कोच, चार शयनयान श्रेणी के कोच, आठ वातानुकूलित 3-टियर, तीन वातानुकूलित 2-टियर तथा एक वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-कम-वातानुकूलित 2-टियर कोच शामिल हैं।

यात्रा होगी अधिक आरामदायक और सुविधाजनकः एलएचबी कोच आधुनिक डिजाइन और बेहतर यात्री सुविधाओं से लैस होते हैं। रेलवे का कहना है कि इन कोचों के परिचालन से यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक आराम मिलेगा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार होगा। नए रेक के साथ यात्रियों की यात्रा को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और सुखद बनाने की उम्मीद है।

प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा ने हर्षोल्लास के साथ मनाया भगवान बलराम की जयंती

रांचीः भाजपा किसान मोर्चा ने भगवान बलराम की जयंती, भाजपा प्रदेश कार्यालय रांची में हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा , झरिया विधायक रागिनी सिंह,पूर्व सांसद गीता कोड़ा, सह कार्यालय मंत्री सूरज चौरसिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू , प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह, प्रदेश महामंत्री अजय मुंडा, प्रदेश मंत्री डॉ विनोद ठाकुर, कार्यालय मंत्री सज्जन पंकज, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, सुरेंद्रनाथ, राजीव नाथ शाहदेव, अवधेश दुबे, बैजनाथ साहू,सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शक्ति एवं पराक्रम के प्रतीक भगवान बलराम की चित्र पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए, पुष्पांजलि अर्पित की। मौके पर प्रदेश पदाधिकारियों ने भगवान बलराम की महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि कृषि और बल के प्रतीक भगवान बलराम को हल और मूसल धारण करने के कारण हलायुद्ध भी कहा जाता है। वह पराक्रम और कृषि समृद्धि के प्रतीक हैं, इसलिए कृषक भाईयों ने अपने अच्छी खेती और अच्छे फसल उगाने के लिए भगवान बलराम जी की पूजन कर अन्नझ धन और कृषि की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। वक्ताओं ने कहा कि इन्हें भगवान कृष्ण का प्रथम विस्तार और मूल आध्यात्मिक गुरु (आदि गुरु) माना जाता है। उन्होने उत्तर भारत के कई हिस्सों में हल षष्ठी या ललही छठ के रूप में भी मनाया जाता है। जहां माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। भक्तगण इस दिन दोपहर तक व्रत रखते हैं, और भगवान बलराम से आध्यात्मिक एवं शारीरिक बल की कामना करते हैं।

जेपीएससी- जेएसएससी सीजीएल परीक्षा धांधली

टीडीपीएल कर्मी एबाद ने कबूला-ओएमआर शीट में हुई थी छेड़छाड़, 12 सहयोगियों के नाम का भी किया खुलासा

संवाददाता

रांचीः जेपीएससी और जेएसएससी सीजीएल परीक्षा धांधली मामले में सीआईडी जांच के दौरान टीडीपीएल के तकनीकी कर्मी मोहम्मद एबाद ने ओएमआर शीट और ओएसएम में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ और डिजिटल टेंपरिंग करने की बात कबूल कर ली है। एबाद के इस कबूलनामे के बाद झारखंड में चल रहे इस बड़े भर्ती घोटाले में सिंडिकेट के 12 से अधिक सहयोगियों के नामों का भी खुलासा हुआ है।

टीडीपीएल के कर्मचारी उत्तर प्रदेश के रौनाही निवासी मो. एबाद ने पूछताछ में स्वीकारा कि जेपीएससी परीक्षा में ऑप्टिकल मार्क रिकॉग्निशन (ओएमआर) और ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) से छेड़छाड़ की गई थी।उसने सिंडिकेट से जुड़े 12 से अधिक सहयोगियों के नाम का भी खुलासा किया है। इनमें बिहार निवासी अतुल वत्स व मिथिलेश सिंह मुख्य रूप से शामिल हैं। इनके अलावा उसने टीडीपीएल के निदेशक रामबीर सिंह, अरविंद कुमार, राजेश सिंह, आदित्य पांडेय, सुनील कुमार, संतोष सिंह, ब्रजेश कुमार, अली, इमरान, अजय संग्राम सिंह, प्रमोद पाठक, कृष्णा यादव और मो. उस्मान का नाम भी अपने सहयोगियों के तौर पर लिया है। इस प्रकरण में अतुल वत्स का नाम सामने आने के बाद जांच एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं।

अभ्यर्थियों को पेपर नहीं देते थे, जवाब रटवाते थे जांच में पताः चला है कि गिरोह के सदस्य अभ्यर्थियों को सीधे प्रश्न पत्र नहीं देते थे। उन्हें एक स्थान पर ले जाकर उत्तर रटवाते थे। उत्पाद सिपाही भर्ती के दौरान भी अभ्यर्थियों के पास से उत्तर लिखे कागज मिले थे। ऐसे में अब सीआईडी अब इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि कहीं उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा और सीजीएल में धांधली के तार आपस में तो नहीं जुड़े हैं। इसमें अतुल वत्स और मिथिलेश सिंह की मिलीभगत तो नहीं थे। अब जांच एजेंसी आरोपियों से मिले इनपुट का सत्यापन कर रही है।

हजारीबाग में आदिवासी महिला से दुष्कर्म और मारपीट का आरोप, दो आरोपी गिरफ्तार

हजारीबागः जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र में आदिवासी महिला से दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगा है। गंभीर रूप से घायल महिला का इलाज शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। मारपीट में महिला का पैर टूट गया है। पुलिस ने मामले में दो नामजद आरोपियों को गिरफ्त कर लिया है।हालांकि, दुष्कर्म के आरोप की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पीड़िता के अनुसार, वह किराए के मकान में रहकर मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती है। उसके पड़ोस में बिहार के कुछ युवक भी किराए पर रहते है।

महिला की पहचान पड़ोस में रहने वाले एक युवक से थी। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उक्त युवक उसके घर में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला के अनुसार, घटना के बाद कुछ अन्य लोग वहां पहुंचे और दरवाजा खुलवाने के बाद उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान उसे गंभीर चोटें आईं और उसका पैर टूट गया। घटना के बाद परिजनों ने कटकमदाग थाना पहुंचकर लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दो नामजद आरोपी गिरफ्तार

कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि फिलहाल दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है।पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही दुष्कर्म के आरोप की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस के अनुसार, मामले में तीन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इनमें से दो नामजद आरोपी विकास राय और रूदल कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य आरोपों और घटनाक्रम की भी जांच कर रही है। इधर, पीड़िता के परिजनों ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। हालांकि, अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नामकुम जमीन गड़बड़ी मामला

अंचल कार्यालय पहुंची एसीबी की टीम रिकॉर्ड खंगाले, कई दस्तावेज गायब

संवाददाता

रांची: नामकुम अंचल में जमीन के रिकॉर्ड में कथित छेड़छाड़ और डबल म्यूटेशन के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जांच तेज कर दी है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद दर्ज एफआईआर के सिलसिले में एसीबी की टीम नामकुम अंचल कार्यालय पहुंची और जमीन से संबंधित रोकड़ रुम की जांच की। जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण कागजात मिले हैं।

एसीबी की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि जमीन का डबल म्यूटेशन किस आधार पर किया गया। संबंधित पंजी और अंचल कार्यालय के अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसी यह भी खंगाल रही है कि रिकॉर्ड में कथित बदलाव किस स्तर पर और किन अधिकारियों की भूमिका से हुआ।

मामले में तत्कालीन सीओ श्वेता वर्मा, तत्कालीन अंचल निरीक्षक मनोज कुमार और तत्कालीन अंचल निरीक्षक दीपक कुमार को आरोपी बनाया गया है। एसीबी ने इस संबंध में केस नंबर 18/26 दर्ज किया है। जांच एजेंसी लगातार तत्कालीन अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ करने के साथ मामले से जुड़े दस्तावेज जुटा रही है।

तत्कालीन सीओ श्वेता वर्मा से पूछताछ की तैयारी: जांच के दौरान एसीबी तत्कालीन सीओ श्वेता वर्मा की भूमिका भी खंगाल रही है। उनसे पूछताछ के लिए टीम लगातार प्रयास कर रही है। हालांकि उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ बताया जा रहा है और वह फिलहाल अपने ठिकाने पर नहीं मिली हैं। एसीबी उनकी तलाश में संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है।

1.22 एकड़ जमीन के रिकॉर्ड में गड़बड़ी का आरोप: मामला धुर्वा थाना क्षेत्र के डुंडू गांव स्थित खाता नंबर 32 के प्लॉट नंबर 776, 820, 821 और 822 से जुड़ा है। इन जमीनों के रिकॉर्ड में कथित छेड़छाड़ कर प्रकाश कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड के नाम जमाबंदी कायम करने का आरोप है। शिकायत में करीब 1.22 एकड़ जमीन के म्यूटेशन और डिमांड खोलने में भी अनियमितता का आरोप लगाया गया है।

शिकायत के अनुसार, परिवादी की मां ने अलग-अलग पंजीकृत विक्रय विलेखों के जरिए कुल 5.93 एकड़ जमीन खरीदी थी। बाद में उनकी मृत्यु के बाद परिवार में बंटवारा हुआ और परिवादी ने खुद को जमीन का वैध उत्तराधिकारी बताया।

डबल जमाबंदी का नोटिस मिलने के बाद सामने आया विवाद: परिवादी के अनुसार, 17 अगस्त 2016 को उन्हें अंचल कार्यालय से डबल जमाबंदी को लेकर नोटिस मिला। इसके बाद जब उन्होंने अंचल कार्यालय में जानकारी ली तो संबंधित जमीन के एक हिस्से पर प्रथम प्रकाश कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड के नाम से नई जमाबंदी कायम किए जाने की जानकारी मिली।

मामला आगे राजस्व अधिकारियों के समक्ष पहुंचा और बाद में न्यायिक प्रक्रिया शुरू हुई। हाईकोर्ट के आदेश के बाद एसीबी ने पूरे मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

कंपनी निदेशक ने आरोपों से किया इनकार: इधर प्रथम प्रकाश कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक चंद्रप्रकाश धेलिया ने जमीन में किसी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वर्ष 2009 में जमीन खरीदी थी और जमीन की खरीद वैध दस्तावेजों के आधार पर की गई थी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में जमीन की बाउंड्री कराई गई और इसके बाद रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी की गई। उनके अनुसार, वर्ष 2011-12 में म्यूटेशन कराया गया और बाद में ऑनलाइन लगान भी जमा किया गया, जो वर्ष 2021 तक चलता रहा।

चंद्रप्रकाश धेलिया के मुताबिक, कोरोना काल के दौरान विपक्षी पक्ष की ओर से एलआरडीसी के यहां मामला दाखिल किया गया था। उनका दावा है कि नोटिस नहीं मिलने के कारण वहां से म्यूटेशन रद्द कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने डीसी कोर्ट में अपील की, जहां सुनवाई के बाद म्यूटेशन कायम रखने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि जमीन को लेकर मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया में है और कंपनी एसीबी की जांच में पूरा सहयोग करेगी।

एचएम पब्लिक स्कूल चुटिया- एचएम प्ले स्कूल, द्वारिकापुरी में जन्माष्टमी महोत्सव सह राधा कृष्ण फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

मेट्रो रेज

रांची: एचएम पब्लिक स्कूल और एचएम प्ले स्कूल द्वारिका पूरी लोअर चुटिया में जन्माष्टमी महोत्सव सह राधा कृष्ण फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वर्ग प्री नर्सरी से वर्ग चतुर्थ तक के बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में राधा और कृष्ण के आकर्षक परिधान पहनकर अलग छटा बिखेर रहे थे। इसमें राधा व कृष्ण की वेशभूषा में छात्र-छात्राओं ने फिल्मी गानों पर नृत्य किया साथ ही स्टेज पर रैप वॉक किया। प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा नाटक के माध्यम से श्री कृष्ण के जन्म को प्रदर्शित किया गया। वर्ग तीन और चार के बालक-बालिकाओं द्वारा सामूहिक नृत्य किया गया। मंच का संचालन शिक्षिका मनीषा टोप्पो द्वारा किया गया। सुप्रभा और जया द्वारा उनके

जीवन से संबंधित घटनाओं के बारे में बताया गया। दोनों विद्यालय में बच्चों द्वारा मटका भी फोड़ा गया। बच्चे ने काफी बहुत उत्साह और लगन के साथ कार्यकम में भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार ने बच्चों को कृष्ण जन्मोत्सव के संबंध में जानकारी दी। साथ ही उनके श्री कृष्ण के जीवन से जुड़ी कई रोचक जानकारियां भी दी। उन्होंने बतलाया कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चे अपने धर्म और संस्कृति के बारे में जानते हैं और इनसे जुड़े रहते हैं और उन्हें अपनी कला के साथ साथ प्रतियोगी भावना विकसित होती है। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। सभी छात्रों को चॉकलेट और पेंसिल दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुमार कमलेश, पूनम, संयुक्ता, सुप्रभा, मनीषा, जया मिश्रा, ज्योति, कल्पना दास, शोभा, मीणा, बासुदेव, ओनिमा, कंचन रवि प्रकाश, जोशी,अपूर्व, एकता, पूनम, स्मृति, सुष्मिता, निधि, काजल, रश्मि, झिलिक, खुशबू व अन्य शिक्षकों का सहयोग रहा।

3 साल से एक ही जगह जमे टाइगर मोबाइल जवानों का होगा तबादला

संवाददाता

रांची: शहर में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गुरुवार को रांची पुलिस एक्शन मोड में दिखी। एसएसपी की अध्यक्षता में न्यू पुलिस लाइन स्थित यूसी झा हॉल में टाइगर मोबाइल के अफसरों और जवानों के साथ अहम बैठक हुई। बैठक में सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी, कोतवाली एएसपी, सभी डीएसपी और थाना प्रभारी शामिल हुए। एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आम जनता की सुरक्षा में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

तीन साल से अधिक समय से जमे जवानों का होगा तबादलाः बैठक में एसएसपी ने कहा कि टाइगर मोबाइल में लगातार तीन साल से अधिक समय से जमे अफसरों और जवानों का तबादला किया जायेगा। उनकी जगह नये पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। इसका उद्देश्य गश्ती व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और अपराध नियंत्रण को मजबूत करना है।

क्यूआर कोड स्कैन कर दर्ज होगी उपस्थितिः शहर के बैंकों, एटीएम, ज्वेलरी दुकानों, स्कूल-कॉलेजों और अन्य संवेदनशील इलाकों में क्यूआर कोड लगाये गये हैं। गश्ती के दौरान टाइगर मोबाइल के जवानों को संबंधित स्थान पर पहुंचकर क्यूआर कोड स्कैन करना अनिवार्य होगा। इससे गश्ती दल की मौके पर मौजूदगी और निगरानी की जानकारी दर्ज हो सकेगी।

पुराने अपराधियों और संदिग्धों का होगा सत्यापनः आर्म्स एक्ट, चोरी, एनडीपीएस, अवैध शराब, चेन और मोबाइल छिनतई तथा नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल पुराने अपराधियों और संदिग्धों का सत्यापन किया जायेगा। पुलिस को ऐसे लोगों पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

छोटे हथियारों से फायरिंग अभ्यास शुरू होगाः टाइगर मोबाइल के जवानों की क्षमता बढ़ाने के लिए छोटे हथियारों के साथ फायरिंग अभ्यास तुरंत शुरू कराया जायेगा। इसके अलावा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में टाइगर मोबाइल की ड्यूटी, समय और क्षेत्र का सही बंटवारा करने का निर्देश दिया गया है।

दिल्ली में पत्रकारों से कथित मारपीट पर गुलाम शाहिद ने जताई चिंता

रांची: दिल्ली के साकेत थाना क्षेत्र में पत्रकार शाहीन खान और नफीसा खान के साथ कथित मारपीट और थर्ड डिग्री टॉर्चर के आरोपों पर रांची के पत्रकार गुलाम शाहिद ने गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने पूरे मामले की तत्काल निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है।

गुलाम शाहिद ने कहा कि यदि पत्रकारों के साथ पुलिस की ओर से इस तरह का व्यवहार किए जाने के आरोप सही हैं, तो यह बेहद गंभीर मामला है। पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उन्हें बिना भय के सवाल पूछने तथा अपना काम करने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी पत्रकार के साथ उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर बदसलूकी की गई है, तो इसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पत्रकारिता का अधिकार किसी धर्म, समुदाय या पहचान के

आधार पर तय नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की निष्पक्ष तरीके से जांच की जानी चाहिए। यदि जांच में पुलिसकर्मी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सवाल पूछना पत्रकारिता का मूल अधिकार है। अगर सवाल पूछने वाले पत्रकारों को ही डराया या प्रताड़ित किया जाएगा, तो लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

गुलाम शाहिद ने कहा कि यह मामला किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल विशेष का नहीं, बल्कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों से भी सवाल किया कि क्या पत्रकारों को बिना डर सवाल पूछने और अपनी जिम्मेदारी निभाने का अधिकार एवं सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए?

उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाए और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बनमालीपुर दुर्गा पूजा में तीन दिन तक होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम, छऊ नृत्य प्रतियोगिता बनेगी आकर्षण का केंद्र

मेट्रो रेज

चक्रधरपुर: बनमालीपुर दुर्गा पूजा कमेटी की बैठक विधायक सुखराम उरांव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा पूजा को हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पूजा की तैयारियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि दुर्गा पूजा के अवसर पर तीन दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सप्तमी के दिन डांस कार्यक्रम होगा। वहीं अष्टमी को चक्रधरपुर विधानसभा स्तरीय छऊ नृत्य प्रतियोगिता और नवमी के दिन राज्य स्तरीय छऊ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा।

बैठक में पूजा पंडाल, कार्यक्रमों की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन को सफल बनाने के लिए कमेटी सदस्यों के बीच आपसी समन्वय पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही नई पूजा कमेटी के गठन का निर्णय लिया गया।

बैठक में कमेटी के संरक्षक सह विधायक सुखराम उरांव, अध्यक्ष लक्ष्मण उरांव, सचिव नवमी उरांव, नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव, मुखिया सोमनाथ कोया, अरविंद तिग्गा, दीनानाथ प्रधान, टिंकू प्रधान, कालिया प्रामाणिक, कानू दास, कार्तिक बोदरा, मुंडा कारण गागराई, अमर बोदरा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यालय,जिला परिषद्,लोहरदगा
(Email-id: zplohardaga@gmail.com)

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा निकाले गए ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या - 05/2026-27/(ZP)विज्ञापन संख्या –PR.NO. 388134 Lohardaga(26-27)D में निविदा प्रकाशन, बीड प्राप्ति आदि की तिथि में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है :–

1 वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :–03.09.2026
2 बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय :–10.09.2026 / 02:00 बजे अपराह्न तक
3 निविदा खोलने की तिथि व समयः– 11.09.2026 / 02:00 बजे अपराह्न में शेष यथावत् रहेंगे।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, लोहरदगा

PR 389044 Lohardaga(26-27).D

बूटी मोड़ स्थित गोविंदम बैंक्वेट हॉल में दो दिवसीय रामायण पाठ संपन्न

मेट्रो रेज

रांची: बूटी मोड़ दुबे लाइन होटल स्थित गोविंदम बैंक्वेट में दो दिवसीय रामायण पाठ संपन्न हो गया। यह रामायण पाठ कैलाश नाथ दुबे के नेतृत्व में बुधवार सुबह से लेकर गुरुवार रात दस बजे तक चला इसमें हजारों से अधिक श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यह रामायण पाठ गोविंदम बैंक्वेट के मालिक गोविंद दुबे के पुत्र राघव दुबे के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया था ।

इस अवसर पर कई राज्यों से आएं कला-संस्कृति की टीमों ने भजन-कीर्तन और नृत्य प्रस्तुत कर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया इस मौके पर गोविंद दुबे ने कहा कि बेटे के जन्मदिन पर रामायण पाठ करने से खुशियां दोगुनी हो गईं वहीं समाजसेवी निपु सिंह ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने बेटे-बेटी के जन्मदिन के अवसर पर पहले भगवान को याद करना चाहिए फिर जन्मदिन मनाना चाहिए। इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद के साथ-साथ चाय, पूरी, बूंदी, रसगुल्ला, खीर और आइसक्रीम का भी आनंद लिया इस जन्मदिवस के अवसर पर एक साल पूरा होने पर हजारों लोगों ने राघव दुबे को आशीर्वाद दिया और उसके स्वस्थ रहने खुश रहने के साथ-साथ लंबी उम्र की कामना की ।

रांची के आरा गेट ब्रिज के नीचे घायल अवस्था में मिले नाबालिग छात्र-छात्रा, दोनों इलाजरत

संवाददाता

रांची: राजधानी के चुटिया थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आरा गेट ब्रिज से दो नाबालिगों ने अचानक नीचे छलांग लगा दी। इस हादसे में दोनों को चोटें आई हैं। हालांकि, चिकित्सकों ने उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बतायी है।

क्या है पूरा मामला: स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों नाबालिग चुटिया इलाके के रहने वाले हैं और टाटीसिलवे स्थित एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में पढ़ाई करते हैं। गुरुवार की देर शाम दोनों एक ऑटो से आरा गेट ब्रिज पहुंचे। पुल पर पहुंचने के बाद दोनों ऑटो से उतरे और कुछ ही देर में पुल से नीचे कूद गए। अचानक हुई इस घटना से पुल के आसपास मौजूद लोग हैरान रह गए। मौके पर मौजूद कुछ लोगो ने तुरंत पुलिस को जानकारी दी, मौके पर पहुंची पीसीआर की टीम ने दोनो को नजदीक के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया है।

चुटिया और टाटीसिलवे थाना दोनों मौके पर पहुंचे: सूचना मिलने पर चुटिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं बार्डर होने की वजह से टाटीसिलवे थाना की टीम भी

मौके पर पहुंच गई, दोनों थानों की टीम ने आसपास के लोगों से मामले की जानकारी ली। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे हैं। बाद में दोनों नबालिग जिस शिक्षण संस्थान में पढ़ते हैं वहां के टीचर भी अस्पताल पहुंचे और दोनों के बारे में जानकारी ली।

पुलिस पता लगा रही घटना की वजह: दोनों ने आखिर पुल से नीचे छलांग लगाने जैसा कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस दोनों से जुड़ी परिस्थितियों और घटना से पहले की गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। हालांकि अभी तक इस मामले में परिजनों के द्वारा थाना में कोई भी लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। टाटीसिलवे थाना प्रभारी हंसे उरांव ने बताया कि ये मामला चुटिया थाना क्षेत्र का है। दोनों नाबालिग आपस में रिश्तेदार ही हैं। बॉर्डर थाना होने की वजह से टाटीसिलवे पुलिस भी मौके पे पहुंची थी।

जिला जनसम्पर्क कार्यालय, गुमला
फोन नं.–06524-223087
Email Id. Gumladpro80@gmail.com

सूचना

गुमला रेभन्यू वाद संख्या– 02/1991

नोटिस बनाम — एतवा उराँव एवं अन्य बनाम संतोश उराँव एवं अन्य

1a. Santosh Oraon
1b. Bablu Oraon, Both son of Late Sukra Oraon,
2. Shambhu Prasad
3. Biswanath Prasad, Both son of Late Kapil Muni Sahu
4. Lohra Thakur son of
Resident of Village -Ghaghra, Ps-Gumla, Dist- Gumla (Jharkhand)

न्यायालय, आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर राँची के बजरिये नोटिस आपको / विपक्षीगण को सूचित कि जाता है कि उक्त वाद में अगली तिथि 15/09/2026 को निर्धारित है, को समय 10.30 बजे पूर्वाह्न में आप स्वंय अथवा अ विद्वान अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करें। अन्यथा उपस्थित नहीं होने के स्थिति में अभिलेख में उपल साक्ष्य / कागजातों के आधार पर वाद में आदेश पारित किया जायेगा।

जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, गुमला

PR 389067 (District)26-27*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला
Email-eedwsd.gumla@gmail.com

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 19/2026–27

जिला योजना अनाबद्ध मद

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 11.09.2026 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुट्टी के दिनो को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 12.09.2026 को 4.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 12.09.2026 को 4.30 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला। (ख) सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल सं0–2, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Contruction of 200mm x 165mm dia x 350.00 mtr deep HYDT with electricity operated 2 HP Submersible motor pump set with rising & distribution main through HDPE pipe near Old Age Home, Deaf-Mute Home and Nari Niketan Silam Gumla and 7.5 HP Submersible Motor Pumpset, other allied work at Observation Home Silam Gumla Village-Tirra, Panchayat-Karaundi, Block-Gumla under D.W.&S. Division, Gumla for the year 2026-27.	8,59,277.00	17,500.00	1250.00	03 माह

निविदा की नियम एवं शर्ते :– कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
:– प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,गुमला

PR 389027 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

सच्चिदानन्दघन, परमब्रह्म परमात्मा, पुराण पुरुषोत्तम, देवकीनंदन भगवान श्रीकृष्ण का इस धरा धाम पर अवतरण आध्यात्मिक जगत की दिव्यातिदिव्य, अद्भुततम, अनिर्वचनीय, अकल्पनीय विस्मयकारी एवं महानतम घटना है। जब जब भी धर्म का पतन होता है और अधर्म की प्रधानता होने लगती है, तब तब ही भक्तों का उद्धार करने, दुष्टों का विनाश तथा धर्म की पुनः स्थापना करने को भगवान विष्णु कभी श्रीकृष्ण, कभी श्री राम तो कभी नरसिंहादि रूपों में प्रकट होते है, किंतु भगवान् का इस धरा धाम पर अवतरण केवल आसुरी शक्तियों के विनाश और धर्म स्थापना के लिए ही नहीं हुआ करता, अपितु प्रेमी भक्तों को अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से आत्मानंद प्रदान करने के निमित्त भी अवतार ग्रहण किया करते हैं। प्रत्येक युग में दुर्वासनिक, अहंकारिक, दमनकारी मायावी और पाशविक शक्तियों के बल पर दैत्य और राक्षसगण राज्य सत्ता के लिए बड़ी चुनौती के रूप में सामने आकर जहां अधर्म, अनाचार और आतंक का साम्राज्य स्थापित करने हेतु धर्म संस्कृति को नैस्तनाबूद करते हुए सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास करते है, वहीं धमार्रुढ़, ईश्वर प्रणिधान और भक्ति संपन्न दैवी शक्तियों को त्रास देते हुए उन्हें ईश्वर से विमुख करने का भी षड्यंत्र करते हैं। दैविक और राक्षसी शक्तियों का यह संघर्ष प्रत्येक युग में आकार लेता हुआ दिखाई देता है, किंतु जब यह संघर्ष असीमित आकार ग्रहण कर लेता है, तब निर्गुण, निराकार ब्रह्म सगुण, साकार रूप में कभी कृष्ण कभी राम और कभी नरसिंहादि रूपों में अवतरित होकर अत्याचारी और दुष्ट मायावी शक्तियों का संहार करते हैं, धर्म राज्य की स्थापना करते हैं और जगत में भय का वातावरण समाप्त कर सबको निर्भयता प्रदान करते हैं और केवल यही नहीं बल्कि आनंद कंद भगवान अपने निज जनों को अपना दिव्य प्रेमानंद प्रदान कर उनकी जन्म जन्मांतरों की अभिलाषाओं को भी पूर्ण कर देते हैं। अर्थात भगवान् श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि यद्यपि मैं अजन्मा तथा अविनाशी हूं और समस्त जीवों का स्वामी हूं, तो भी प्रत्येक युग में मैं अपने आदि दिव्य रुप में प्रकट होता हूं। हैं भरतवंशी! जब जब भी और जहां भी धर्म का पतन होता है और अधर्म की प्रधानता होने लगती है, तब तब मैं अवतार लेता हूं, तथा भक्तों का उद्धार करने, दुष्टों का विनाश तथा धर्म की फिर से स्थापना करने के लिए मैं युग युग में प्रकट होता हूं।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान की सरल व्याख्या अनुसार जब भी धर्म का ह्रास और अधर्म की वृद्धि होने लगती है, तब भक्तजनों का उद्धार एवं दुष्टों का विनाश कर धर्म की स्थापना करने को भगवान् युग युग में प्रकट होते हैं। किंतु गीता में उद्धरित इन वचनों को महात्माओं द्वारा विशिष्ट एवं व्यापक परिप्रेक्ष्य में की गई व्याख्या को देखने पर स्पष्ट होता है कि केवल दुष्टो का विनाश ही भगवान् के अवतार का एक मात्र हेतु नहीं हो सकता।

भगवान श्रीकृष्ण का इस धरा धाम पर अवतरण केवल आसुरी शक्तियों के विनाश और धर्म स्थापना के लिए ही नहीं होता है, अपितु वे अपने प्रेमी भक्तों को अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से आत्मानंद प्रदान करने के निमित्त भी अवतार ग्रहण करते हैं। यदि केवल दैत्यों, दानवों या राक्षसों का विनाश कर धर्म स्थापना ही निमित्त होता, तो मात्र उसके लिए निर्गुण भगवान् को सगुण रूप धारण करने की आखिर क्या जरूरत हो सकती थी? श्री भगवान् यदि केवल संकल्प भर कर लेते तो भी क्षणांश में ही संपूर्ण जगत की समस्त आसुरी शक्तियां स्वयंमेव समाप्त हो जाती, और तत्क्षण धर्म राज्य की स्थापना हो जाती। निश्चियात्मक रूप से कहा जा सकता है कि भगवान् श्रीकृष्ण का इस धरा धाम पर अवतरण केवल आसुरी शक्तियों के विनाश और धर्म स्थापना के लिए ही नहीं हुआ था, अपितु वे अपने प्रेमी भक्तों को अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से आत्मानंद प्रदान करने के निमित्त भी अवतरित हुए, भगवान् श्री कृष्ण ने सगुण, साकार रूप धरकर जहां धर्म राज्य की स्थापना की, वहीं अपने प्रेमी भक्तों को दिव्यातिदिव्य प्रेमामृत प्रदान किया। इस जगत में सभी जीव सुख और आनंद की चाहना रखते है। मनुष्य मात्र जो कि अपने लिए आनंद चाहते हैं, और सांसारिक सुखों में आनंद ढूंढते आए हैं, किंतु उन्हें आनंद का लेशमात्र भी प्राप्त नहीं हुआ, क्योंकि वह दिव्य आनंद सांसारिक सुखों में है ही नहीं, अपितु वह आनंद तो प्रभु शरणागति और प्रभु प्रेम में ही निहित है। ईश्वर के प्रणिधान जिन मनुष्यों ने इस अकाट्य सत्य को जाना, और भगवान् श्रीकृष्ण के शरणापन्न होकर अपने जीवन की बागडोर उनके हाथों में सौंप दी, वे सदा सदा के लिए अभयत्व, अमरत्व और प्रेमानंद पाने के अधिकारी बन गए। यह प्रेमाधिकार कदाचित भी एकतरफा नहीं हुआ। भगवान् श्रीकृष्ण के शुद्ध भक्त जैसे प्रभु प्रेम के निमित्त, उनके प्रेम को लालायित रहते हैं, ऐसे ही भगवान् भी अपने निज जनों को अपनाने को सदैव तत्पर रहते हैं, इसीलिए वे अपने शरणागत प्रेमी जीवों पर कृपा कर सगुण रूप धारण कर अवतरित होते हैं, और उन्हें प्रेमानंद प्रदान करते हुए उनकी प्रेम प्राप्ति की आकांक्षा को पूरी करते हैं, और विभिन्न लीलाएं करते हुए संपूर्ण जगत को धन्य धन्य कर देते हैं। भगवान् श्रीकृष्ण का पृथ्वी लोक पर यह अवतरण और उनकी लीलाएं दिव्यतम, मधुर और जगत को आनंद प्रदान करने वाली होती है, जिनका कीर्तन, श्रवण और स्मरण कर जगत अति हर्षित, उल्लसित और वैभववान हो जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता की टीका साधक संजीवनी में महात्मा रामसुखदासजी महाराज लिखते हैं कि सर्वसमर्थ भगवान् अवतार लिए बिना भी संतजनों की रक्षा, दुष्टों का विनाश और धर्म की स्थापना कर सकते हैं, किंतु वे अपने प्रेमी भक्तों को प्रभु के सान्निध्य प्राप्त करने की उनकी अंतर्निहित भावनाओं को पूर्ण करने के निमित्त से अवतार लेते हैं। इस तरह श्रीभगवान् जीवों पर विशेष कृपा करने हेतु स्वयं को मनुष्य रूप में प्रकट कर ऐसी लीलाएं करते हैं, जिससे अवतार काल में भगवान् के दर्शन, स्पर्श वातार्लाप आदि से और भविष्य में उनकी दिव्य लीलाओं के श्रवण, चिंतन, ध्यान और उपदेशों के आचरण से लोगों का सहज रूप से उद्धार हो जाता है, और इसी प्रकार लोगों का सदा उद्धार होता रहे, इसी उद्देश्य से भगवान् अवतार धारण करते हैं।

श्री रामचरितमान में तुलसीदासजी कहते हैं कि देवी पार्वती के श्री रामावतार के बारे में प्रश्न करने पर भगवान् शिव कहते हैं- देवी! श्रीरामचन्द्रजी के जन्म लेने के अनेक कारण हैं, जो एक से एक बढ़कर विचित्र हैं। भगवान् शिव कहते है-जब धर्म का ह्रास होता है, नीच अभिमानी राक्षसों की वृद्धि होकर अन्याय बढ़ जाता है, ब्राह्मण, गौ, देवता और पृथ्वी कष्ट पाते हैं, तब वे कृपा निधान भांति भांति के दिव्य शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। वे असुरों का अंत करते हैं, वैदों की मयार्दा की रक्षा करते हैं, और जगत में अपना निर्मल यश फैलाते हैं, उसी यश को गा गाकर प्रभु के भक्तजन भवसागर से तर जाते हैं। कृपा के सागर वे भगवान् अपने प्रेमी भक्त जनों के हितार्थ शरीर धारण करते हैं।

जीवंत है श्रीकृष्ण का विराट व्यक्तित्व और जीवन-दर्शन

अत्याचारी कंस के आतंक से त्रस्त मथुरा में श्रीकृष्ण का जन्म अन्याय और अधर्म के विरुद्ध धर्म, सत्य और न्याय की विजय की आशा का प्रतीक बना। पौराणिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के पूर्णावतार माने जाते हैं और उनके व्यक्तित्व में बाल-सुलभ चंचलता, अद्भुत करुणा, अनुपम प्रेम, असाधारण पराक्रम, दूरदर्शी कूटनीति तथा गहन आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

योगेश कुमार गोयल

भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी का पावन पर्व सम्पूर्ण भारतवर्ष में भारतीय जनमानस के नायक, योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जीवन-दर्शन में श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व और उनके लोक कल्याणकारी संदेशों का स्मरण कराने वाला पर्व है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में रोहिणी नक्षत्र और वृष राशि के संयोग में मथुरा के कारागार में वासुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ था। अत्याचारी कंस के आतंक से त्रस्त मथुरा में श्रीकृष्ण का जन्म अन्याय और अधर्म के विरुद्ध धर्म, सत्य और न्याय की विजय की आशा का प्रतीक बना। पौराणिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के पूर्णावतार माने जाते हैं और उनके व्यक्तित्व में बाल-सुलभ चंचलता, अद्भुत करुणा, अनुपम प्रेम, असाधारण पराक्रम, दूरदर्शी कूटनीति तथा गहन आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने भगवद्गीता के माध्यम से कर्म, धर्म और कर्तव्य का ऐसा कालजयी संदेश दिया, जो आज भी मानवता का मार्गदर्शन करता है। इस वर्ष 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की 5253वीं जन्माष्टमी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जा रही है। मंदिरों में विशेष सजावट, झांकियों, भजन-कीर्तन और मध्यरात्रि में भगवान के जन्मोत्सव के साथ यह पर्व भारतीय सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

जन्माष्टमी के दिन देशभर में मंदिरों को सजाया जाता है, लोग रात्रि के 12 बजे तक व्रत रखते हैं और रात्रि 12 बजे शंख और घंटों की ध्वनि के जरिये भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खबर चारों दिशाओं में गूंज उठती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्याकाल में अनेकों लीलाएं की, जन्माष्टमी के अवसर पर ऐसी ही अनेक लीलाओं का मंचन किया जाता है। सही मायनों में श्रीकृष्ण हमारे इतिहास के अभिन्न अंग हैं, जिनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व जितना मोहक था, उतना ही रहस्यमयी भी और उतनी ही अनोखी थी उनकी लीलाएं। बाल्यावस्था से लेकर जीवनपर्यन्त लीलाएं करते रहे श्रीकृष्ण में कभी भगवान के दर्शन होते हैं तो कभी वे एक साधारण मानव सरीखे प्रतीत होते हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मानव के रूप में भी श्रीकृष्ण उतना ही आकर्षित करते हैं, जितना कि भगवान के रूप में। उनका एक-एक कार्य मन में गहरा स्थान बना जाता है। उनके आदर्श, उनके जीवन की विद्वत्ता, वीरता, कूटनीति, योगी सदृश उज्ज्वल , निर्मल एवं प्रेरणादायक पक्ष, सब हमारे लिए अनुकरणीय हैं। श्रीकृष्ण को प्रेम एवं मित्रता के अनुपम प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। बचपन के निर्धन मित्र सुदामा को उन्होंने अपने राज्य में जो मान-सम्मान दिया, वह मित्रता का अनुकरणीय उदाहरण बना। श्रीकृष्ण की लीलाओं को समझना जहां पहुंचे हुए ऋषि-मुनियों और बड़े-बड़े विद्वानों के बूते से भी बाहर था, वहीं अनपढ़, गंवार माने जाते रहे निरक्षर और भोले-भाले ग्वाले और गोपियां उनका सानिध्य पाते हुए उनकी दिव्यता का सुख पाते रहे। उन्हें कन्हैया कहें या कृष्ण, पीताम्बर कहें या वासुदेव या फिर देवकीनंदन अथवा यशोदानंदन, वास्तव में श्रीकृष्ण का भारतीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। वे महाभारत काल के ऐसे आध्यात्मिक एवं राजनीतिक द्दष्टा रहे, जिन्होंने धर्म, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए दुर्जनों का संहार किया। वे शांति, प्रेम एवं करूणा के साकार रूप थे। महाभारत युद्ध के समय शांति के सभी प्रयास विफल होने पर उन्होंने संशयग्रस्त धनुधारी अर्जुन को ज्ञान का उपदेश देकर कर्तव्य मार्ग पर अग्रसर किया और अन्याय की सत्ता को उखाड़ने के लिए अपने ही कौरव भाइयों के साथ युद्ध करते हुए उन्हें अपने कर्मों का पालन करने के लिए गीता का उपदेश दिया। युद्ध के समय वे हर पल धर्म की रक्षा करने के लिए अधर्म करने वालों के खिलाफ खड़े नजर आए, इसीलिए उन्हें अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। गीता में उपदेश देते हुए श्रीकृष्ण ने कहा थाः-यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अभ्युत्थानम धर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।।

अर्थात हे भारत! जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब ही मैं अपने रूप को रचता हूं अर्थात साकार रूप से लोगों के सम्मुख प्रकट होता हूं। बाल्यकाल से लेकर बड़े होने तक श्रीकृष्ण की अनेक लीलाएं विख्यात हैं। श्रीकृष्ण ने अपने बड़े भाई बलराम का घमंड तोड़ने के लिए हनुमान जी का आव्हान किया था, जिसके बाद हनुमान ने बलराम की वाटिका में जाकर बलराम से युद्ध किया और उनका घमंड चूर-चूर कर दिया था। श्रीकृष्ण ने नररकासुर नामक असुर के बंदीगृह से 16100 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया था, जिन्हें समाज द्वारा बहिष्कृत कर दिए जाने पर उन महिलाओं ने श्रीकृष्ण से अपनी रक्षा की गुहार लगाई और तब श्रीकृष्ण ने उन सभी महिलाओं को अपनी रानी होने का दर्जा देकर उन्हें सम्मान दिया था। अपने एक उपदेश में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा थाः-

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

अर्थात साधु पुरुषों का उद्धार करने के लिए, पाप कर्म करने वालों का विनाश करने के लिए और धर्म की अच्छी तरह से स्थापना करने के लिए मैं युग-युग में प्रकट हुआ करता हूं। श्रीकृष्ण का स्वरूप कितना दिव्य था, इसकी अनुभूति इसी से हो जाती है कि एक ओर जहां अपने स्तनों पर विष लेप कर मां का रूप धारण कर दूध पिलाने आई राक्षसी पूतना का दूध पीकर श्रीकृष्ण उसे मां का सम्मान देते हैं तो दूसरी ओर उसकी दुष्टता के लिए उसका वध भी करते हैं। श्रीकृष्ण ने लंबे समय तक द्वारका पर शासन किया, इसीलिए उन्हें द्वारकाधीश नाम से भी जाना जाता है। 36 वर्ष तक द्वारका पर शासन करने के बाद वे परम धाम को प्राप्त हुए थे। पाप-पुण्य, नैतिक-अनैतिक, सत्य-असत्य से परे पूर्ण पुरुष की अवधारणा को साकार करते श्रीकृष्ण भारतीय परम्परा के ऐसे प्रतीक हैं, जो जीवन का प्रतिबिम्ब हैं और सम्पूर्ण जीवन का चित्र प्रस्तुत करते हैं। उनका चित्र जनमानस के हृदय पटल पर एक कुशल नेतृत्वकर्ता, योद्धा, गृहस्थी, सारथी, योगीराज, देवता इत्यादि विविध रूपों में अंकित है। श्रीकृष्ण बंधन भी हैं और मुक्ति भी, एक ओर जहां वे अपने भक्तों को अपने आकर्षण में बांधते हैं तो उन्हीं भक्तों को मोह-माया के बंधन से मुक्त भी करते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धर्मवीर भारती को 'इलाहाबाद' ने ही बनाया था, 'गुनाहों का देवता'

धर्मवीर भारती ही थे, जिन्होंने अपने अव्यक्त प्रेम की शक्त ('सशक्त' अशुद्ध है।) वर्ज्य रेखा खींचकर अपने को एक ऐसे देवता की कोटि के अन्तर्गत ला खड़ा किया, जो 'गुनाह' करता रहा, फिर भी 'देवता' बना रहा। ऐसे सारस्वत हस्ताक्षर की शिक्षा-दीक्षा इलाहाबाद मे हुई थी, जिनमे अध्ययन के प्रति इतनी रुचि थी कि वे अपने मुहल्ले के ही 'हरिभवन पुस्तकालय' में नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ते रहे।

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

दुइलाहाबाद मे तंग-दर-तंग गलियों मे सांस लेनेवाला मुहल्ला ('मोहल्ला' अशुद्ध है।) 'अतरसुइया' का जितना पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व है उतना ही साहित्यिक भी। चूंकि 4 सितम्बर एक ऐसे हस्ताक्षर का निधन-दिनांक है, जो साहित्य और पत्रकारिता में वह सब अर्जित कर चुका था, जो उसकी आकांक्षा रही; अन्ततः, वह अतरसुइया की एक गली मे किरायेदार के रूप मे रहते-रहते, जाने-अनजाने ('अंजाने' अशुद्ध है।) एक ऐसा गुनाह कर बैठा, जिसका उसे भान तक नहीं था और जब भान हुआ तब एक काल्पनिक मन्दिर बनाकर उसमे 'गुनाहों का देवता' की मूर्ति स्थापित कर दी थी।

25 दिसम्बर, 1926 ईसवी को अतरसुइया, इलाहाबाद मे पिता चिरंजीवलाल वर्मा के घर मे जन्म लेनेवाला एक शिशु किस तरह से वय-वार्द्धक्य के साथ देश का एक महान साहित्यकार और पत्रकार के रूप मे रेखांकित होता रहा, वह विश्लेषण का विषय बन जाता है।

धर्मवीर भारती ही थे, जिन्होंने अपने अव्यक्त प्रेम की शक्त ('सशक्त' अशुद्ध है।) वर्ज्य रेखा खींचकर अपने को एक ऐसे देवता की कोटि के अन्तर्गत ला खड़ा किया, जो 'गुनाह' करता रहा, फिर भी 'देवता' बना रहा। ऐसे सारस्वत हस्ताक्षर की शिक्षा-दीक्षा इलाहाबाद मे हुई थी, जिनमे अध्ययन के प्रति इतनी रुचि थी कि वे अपने मुहल्ले के ही 'हरिभवन पुस्तकालय' में नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ते रहे, जिसका मुख्य कारण था, आर्थिक अभाव से ग्रस्त उनका परिवार। वहीं के डीएवी हाईस्कूल से उन्होंने अपनी आरम्भिक शिक्षा अर्जित की थी। वे आठवीं कक्षा मे थे, तभी सिर पर से पिता का साया उठ चला था। इलाहाबाद मे रहनेवाले उनके मामा अभयकृष्ण जौहरी ने उन्हें अपना संरक्षण देते हुए, कायस्थ पाठशाला इंटर कॉलेज से इण्टरमीडिएट की शिक्षा करायी थी। डॉ. भारती का मन-प्राण क्रान्तिकारिता से ओत-प्रोत था; क्योंकि उस समय के पराधीन देश का वातावरण था ही ऐसा। उन्होंने 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में भाग लिया था, जिसके कारण उनका एक वर्ष प्रभावित हुआ था। उन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाएं इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की थीं। उन्हें स्नातक की परीक्षा मे सर्वाधिक अंक अर्जित करने के कारण 'चिन्तामणि घोष मेडल' प्रदान किया गया था। उन्होंने डॉ. धीरेन्द्र वर्मा के निर्देशन मे 'सिद्ध-साहित्य' पर अपनी पीएच० डी० (पीएच. डी., पी-एच. डी., पीएच० डी० और पी-एच० डी० अशुद्ध हैं।) भी पूरी की थी। वे वही डॉ. धीरेन्द्र वर्मा थे, जिन्होंने मात्र पांच विद्यार्थियों को लेकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिन्दी-विभाग का प्रारम्भ कराया था। संयोग ऐसा रहा कि डॉ. भारती उसी विश्वविद्यालय मे हिन्दी का अध्यापन भी करने लगे थे। वहीं उन्होंने हिन्दीसाहित्य-कोश के कार्य में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान किया था। उन्होंने 'निकष' और 'आलोचना' पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया था। उनका जुड़ाव वहीं की एक प्रसिद्ध संस्था 'परिमल' के साथ भी था, जिससे उनकी सर्जनात्मक मेधा को धार मिल चुकी थी। 'परिमल' मे मलयज, डॉ. रघुवंश, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, डॉ. जगदीश गुप्त, लक्ष्मीकान्त वर्मा, अमृत राय, अमरकान्त इत्यादिक साहित्यकार सम्मिलित थे। वे सारे साहित्यकार इलाहाबाद ही नहीं, देश की सारस्वत विभूति के रूप मे आज भी प्रतिष्ठित हैं।

डॉ. भारती के भीतर 'साहित्य और पत्रकारिता' का मनोरम संगम था। यही कारण था कि वे इलाहाबाद से ही प्रकाशित 'अभ्युदय' समाचारपत्र में उसके सम्पादक पद्मकान्त मालवीय के सान्निध्य मे अंशकालीन कार्य करने लगे थे। उसके बाद इलाचन्द जोशी के सम्पादन मे प्रकाशित 'संगम' पत्रिका के सहकारी सम्पादक बनाये गये थे। उन्होंने 'हिन्दुस्तानी एकेडमी' में उपसचिव के पद पर भी कार्य किया था। वे सारे कार्य ऐसे थे, जो उनके भीतर के आर्थिक और सामाजिक दारुण को अपनी पराकाष्ठा तक पहुंचने नहीं दिये। वे व्यक्तिगत रूप से घर-घर जाकर शिक्षणकर्म भी करते रहे, जिससे कि उनका आर्थिक पक्ष चीखकर उन्हें अपने होने का एहसास न कराये।

डॉ. भारती को यहीं से साहित्यिक संस्कार मिला, जिसने 'गुनाहों का देवता' और 'सूरज का सातवां घोड़ा' का सर्जन कराया। इलाहाबाद के कर्नलगंज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सिविल लाइन्स इत्यादिक मुहल्ले 'गुनाहों का देवता' के साक्षी बनते रहे, जिसकी आधारभूमि अतरसुइया ही रही।

जब वे अपने प्रेम को संभालने और अव्यक्त को व्यक्त रूप देने में विफल ('असफल' अशुद्ध है।) रहे तब उनका प्रणय-पंछी एक ऐसी दिशा मे उड़ने के लिए पंख पसार चुका था, जिसका लौट पाना लगभग सम्भव नहीं था तब डॉ. धर्मवीर भारती इलाहाबाद को हमेशा के लिए त्यागकर बम्बई चले जाने का परिपक्व विचार बना चुके थे। उन्होंने 4 सितम्बर, 1997 ई को बम्बई में मृत्यु की गोद मे जाने से पहले 'चन्दर और सुधा' की अमर प्रेम-कहानी में इलाहाबाद की सड़कों, गलियों, मौसम और बौद्धिक वातावरण मे जिस भावप्रवणता का ताना-बाना बुना है और जो मर्मस्पर्शी-हृदयहारी वितान ताना है, वह उनका जिया और भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे वे अन्ततः, 'गुनाहों का देवता' के माध्यम से व्यक्त कर देते हैं :झ

अगर पुराने जमाने की नगर-देवता की कल्पनाएं आज भी मान्य होतीं, तो मैं कहता कि इलाहाबाद का नगर-देवता जरूर कोई रोमांटिक कलाकार है।"

रही बात उनके प्रतिष्ठित उपन्यास 'सूरज का सातवां घोड़ा' की, तो वह भी इलाहाबाद के मुहल्ले अतरसुइया और जिन अन्य मुहल्ले के परिवार वातावरण के साथ डॉ. भारती का सरोकार था, वहां के निम्न और मध्यमवर्गीय परिवार के आर्थिक-सामाजिक संकट और संत्रास को, उन्होंने जिस रूप में साक्षी दिया था, उसका प्रभाव है। यह वही उपन्यास है, जिसको लेकर प्रख्यात सिने-निर्देशक श्याम बेनेगल ने 'विजेता' फिल्म का निर्माण किया था। उसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।

डॉ. धर्मवीर भारती को इलाहाबाद ने सम्पादनकला मे इतना दक्ष कर लिया था कि वे अपने अविस्मरणीय स्मृतिवातायन को अपने साथ लेकर बम्बई के लिए ऐसा प्रस्थान किये कि फिर कभी लौट नहीं पाये। फिर हो भी क्यों न, 'चन्दर' की 'सुधा' उससे हमेशा के लिए बिछुड़ जो चुकी थी; ऐसे मे, स्मृति को बाहुपाश में आबद्ध किये जीने की राह 'बम्बई' मे ही दिखी थी। वहां वे 'टाइम्स ऑफ इण्डिया'-समूह की चर्चित पत्रिका 'धर्मयुग' से आ जुड़े, जिसने उन्हें एक अलग ही प्रकार की ऊंचाई दी थी; क्योंकि उस अति लोकप्रिय पत्रिका में वर्ष 1960 से 1987 तक प्रधान सम्पादक के रूप मे अपने सम्पादन-कौशल का लोहा मनवाते रहना, कोई हस्तामलक नहीं होता।

कृष्णा से पहले 'राधा का नाम लेना माना जाता है बेहद शुभ

भआज यानी 4 सितंबर को देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन भक्त श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे रहते हैं, हालांकि कान्हा का स्मरण राधा रानी का नाम लिए बिना पूरा नहीं माना जाता है। कई बार आपने लोगों के मुंह से सुना होगा, 'राधे-कृष्ण', 'राधे-राधे' या 'राधा-कृष्ण'। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है क्या आप जानते हैं कि भगवान कृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम क्यों लिया जाता है? इसके पीछे कई धार्मिक मान्यताएं और अद्भुत रहस्य छिपा है। आइए आपको इस बारे में विस्तार से बताते हैं।

राधा नाम से प्रसन्न होते हैं श्रीकृष्ण

धार्मिक ग्रंथों में भगवान श्रीकृष्ण राधा रानी का नाम लेने से प्रसन्न होते हैं और हमेशा भक्तों पर कृपा बरसाते है। श्रीकृष्ण ने स्वंय राधा को अपनी आत्म बताया है और कहा कि राधा उन्हीं में वास करती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, राधा रानी को भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति माना जाता है। जैसा कि सूर्य और उसकी किरणें कभी अलग नहीं होती है, वैसे ही राधा और कृष्ण भी एक-दूसरे के पूरक माने जाते है। राधा-कृष्ण का प्रेम साधारण नहीं है, बल्कि दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। माना जाता है कि जब भी कोई साधक राधा नाम जपता है, तो उसे श्रीकृष्ण की कृपा जरुर प्राप्त होती है।

राधा नाम में छिपा है प्रेम और भक्ति का भाव

असल में राधा-कृष्ण की कथा में राधा को निष्काम और पूर्ण प्रेम का प्रतीक माना गया है। उनका प्रेम किसी सांससारिक अपेक्षा से जुड़ा नहीं था, इसी कारण से कृष्ण भक्ति में राधा नाम को विशेष महत्व दिया है।

राधा की कृपा से ही मिलते हैं कृष्ण

धार्मिक मान्यता के अनुसार, राधा रानी भगवान कृष्ण की सबसे प्रिय हैं। जो साधक राधा नाम का स्मरण करता है, उस पर राधा-रानी की विशेष कृपा रहती है और इनके माध्यम से श्रीकृष्ण आपकी इच्छाओं को पूरा करते हैं। कई धार्मिक कथाओं में इस बात का भी वर्णन किया है कि श्रीकृष्ण ने राधा रानी को स्वंय ये वरदान दिया है कि उनका नाम हमेशा कृष्ण से पहले लिया जाता है। दजो भक्त राधा रानी की भक्ति करेगा, वो उसकी पुकार सबसे पहले सुनेंगे। इस भाव के कारण वृंदावन और बरसाना की गलियों में आज भी श्रद्धालु अभिवादन के तौर पर 'राधे-राधे' कहते हैं।

टिप्स

Heart Disease और Dementia का खतरा कम कर सकती है Shingles Vaccine

दुनियाभर में जिन बीमारियों की वजह सबसे अधिक लोगों की मौत हो जाती है। जिनमें से हृदय रोग सबसे प्रमुख है। हाल ही के सालों में कम उम्र के लोगों में हार्ट फेलियर और हार्ट अटैक के मामले बढ़े हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक दिल की बीमारियों से बचे रहने के लिए खानपान और लाइफस्टाइल में सुधार करना बेहद जरूरी है। लेकिन अक्सर लोगों में मन में यह सवाल रहता है कि क्या कोई ऐसी वैक्सीन है, जो दिल की बीमारियों और हार्ट अटैक से होने वाली मौतों को कम कर सकें। हेल्थ एक्सपर्ट ने इस बारे में एक बड़ी जानकारी शेयर की है। अध्ययन में पाया गया है कि शिंगल्स रोग से बचाने के लिए दी जाने वाली शिंग्रिक्स वैक्सीन कुछ लोगों में स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसे बड़े जोखिमों को कम करने में सहायता करती है। इसको डिमेंशिया से बचाने वाला भी पाया गया है। बता दें कि शिंगल्स या हर्पीज जोस्टर एक वायरल संक्रमण है, जो शरीर पर दर्दनाक चकत्ते और फफोले पैदा करता है। शोधकताओं के मुताबिक शिंगल्स से बचाव के लिए वैक्सीन शिंग्रिक्स दी जाती है। इन लोगों में गंभीर हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या ये वैक्सीन हार्ट अटैक के जोखिम को भी कम कर सकती है।

हार्ट डिजीज से बचाने वाली वैक्सीन

करीब 20 से ज्यादा उम्र के 70 हजार से ज्यादा लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया है कि शिंग्रिक्स लेने वालों में कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा करीब 10% तक कम होता है। वहीं इस वैक्सीन से हार्ट फेलियर का खतरा करीब 12 फीसदी कम देखा गया है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक बुजुर्गों में वैक्सीन के फायदे देखे गए हैं। वहीं 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को यह वैक्सीन दी जाए, तो बड़ी संख्या में गंभीर हृदय रोगों और उनसे होने वाली मौतों को रोका जा सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

राजमहल में दिनदहाड़े ठगी

बर्तन बदलने के नाम पर 3 लाख के जेवरात ले उड़े ठग

संवाददाता

राजमहल:शहर के नीलकोठी वार्ड नंबर 2 में ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बर्तन बदलने आई एक महिला घर की महिला को पाउडर सुंघाकर बेहोश कर करीब तीन लाख के गहने और कांसे के बर्तन लेकर फरार हो गई।पीड़ित मुकेश कुमार घोष के परिवार ने बताया कि गुरुवार दोपहर एक अज्ञात महिला पुराने टूटे-फूटे बर्तनों के बदले नए बर्तन देने का झांसा देकर घर में घुसी।उसने घर की महिलाओं को बातों में उलझाया और बर्तन दिखाने लगी।आरोप है कि इसी दौरान उसने हाथ में रखा पाउडरनुमा पदार्थ महिला पर छिड़क दिया। जिससे वह अर्धचेतन अवस्था में हो गई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी महिला ने घर में रखे करीब तीन लाख रुपये के सोने के जेवरात और कांसे के कीमती बर्तन समेट लिए और मौके से फरार हो गई। होश में आने के बाद परिवार को चोरी की जानकारी हुई।बताया जा रहा है कि इसी ठग महिला ने पास के एक अन्य घर को भी निशाना बनाया है।वहां से सोने की कान की बाली और चांदी की पायल चोरी कर ली गई है। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही राजमहल थाना प्रभारी हसन अंसारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज में एक महिला सामान लेकर भागती हुई नजर आ रही है। पुलिस उसकी पहचान करने में जुटी है।

मां तारा मंदिर प्रांगण में नौ दिवसीय श्रीराम कथा

वैदिक मंत्रोउच्चारण ,पूजन व कथा से पूरा क्षेत्र हुआ भक्तिमय

संवाददाता

साहिबगंज:शहर के नॉर्थ कॉलोनी रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट समीप मां तारा मंदिर प्रांगण में नौ दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन की शाम वृंदावन से आई कथा वाचिका ऋचा जी ने विद्वत रूप से पूजन करके कथा की। कथा के माध्यम से शिव पार्वती विवाह में माता सती के पुनर्जन्म माता पार्वती के रूप में और देवाधिदेव महादेव के साथ उनके विवाह व भव्य शिव बारात का मनोरम वर्णन किया जाता है। इस दौरान पार्वती जी और शिव जी के संवाद के माध्यम से राम नाम की महिमा और सगुण-निर्गुण ब्रह्म के भेद पर प्रकाश डाला गया।वही कथा व्यास यही समझाते हैं कि मनु और शतरूपा का चरित्र हमें यह सिखाता है कि निर्मल मन और सच्चे समर्पण से ही ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। राजा मनु और शतरूपा ने भगवान को पाने के लिए घोर तप किया।उनकी इसी निष्ठा और पवित्रता से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें अपने ही समान पुत्र पाने का वरदान दिया।जो आगे चलकर त्रेतायुग में मयार्दा पुरुषोत्तम राम के रूप में प्रकट हुए।वही कथा सुनने दूर दूर से महिला पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ कथा स्थल में उमड़ रही है।वही माँ तारा मंदिर आने वाले मार्ग को आकर्षक विद्युत साज सज्जा ओर आकर्षक तरीके से सजाया गया है। वैदिक मंत्रोचारण से पूजन व कथा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। मौके पर समिति सदस्य व सैकड़ो महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा मिशन ने विद्यार्थियों के बीच बांटे फलदार पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

साहिबगंज:गंगा मिशन कोलकाता-साहिबगंज की ओर से गुरुवार को महादेवगंज स्थित श्रीराम चौकी उच्च विद्यालय परिसर में पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच फलदार वृक्ष और विभिन्न प्रकार के पौधों का वितरण किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में जनहित क्लब महादेवगंज के अनुराग राहुल अपने सदस्यों के साथ उपस्थित रहे।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनिता कुमारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड हरियाली और प्राकृतिक संपदा के लिए जाना जाता है।राज्य की धरती को हरा-भरा बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए वृक्षों की देखभाल और सुरक्षा भी करनी होगी।इस अवसर पर सुधीर श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कविता का पाठ कर बच्चों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने का संदेश दिया।शिक्षाविद माखनलाल यादव ने प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।वहीं अनुराग राहुल ने कहा कि जल,जंगल और जमीन की सुरक्षा एवं संरक्षण करना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है।मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडेय ने कहा कि यदि समय रहते पर्यावरण की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण नहीं किया गया,तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।डॉ.राजेश कुमार साह ने भी पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में नारियल का पौधा भी लगाया गया।उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया।मौके पर विनती शर्मा,कुमारी रेखा,चंदा कुमारी,मनोज कुमार मंडल,प्रमोद कुमार पांडेय,विनय कुमार,संतोष कुमार,अभय आनंद,आनंद मोदी,सुनील मंडल,कोमल कुमारी, अमन कुमार,अंकित कुमार,सुधांशु राय,विभाष कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं,गणमान्य लोग एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर वित्त रहित संस्थाओं में शैक्षणिक हड़ताल ,काला बिल्ला लगाकर जतायेंगे विरोध,

साहिबगंज: 5 सितंबर 2026 को शिक्षक दिवस के अवसर पर वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर राज्यभर में संचालित करीब 1250 वित्त रहित शैक्षणिक संस्थानों में एक दिवसीय शैक्षणिक हड़ताल रहेगी।इस दौरान वित्त रहित संस्थानों के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मी सरकार के कथित उदासीन रवैये के खिलाफ विरोध दर्ज कराएंगे।वही संध्या कॉलेज के प्राचार्य शंभुनाथ पाठक के नेतृत्व में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।प्राचार्य ने बताया कि मोर्चा की ओर से लंबे समय से वित्त रहित संस्थानों के शिक्षक-कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर सरकार से कार्रवाई की मांग की जा रही है।उन्होंने कहा कि वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की मांगों में 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि से संबंधित संलेख को अविलंब कैबिनेट की सहमति के लिए भेजना,वित्त रहित शिक्षक-कर्मचारियों को राज्य कर्मी का दर्जा देना तथा कार्मिक विभाग के उस पत्र पर कार्रवाई करना शामिल है,जिसमें शिक्षक-कर्मचारियों के लिए सरकारी कर्मचारियों के समान नियमावली बनाकर वेतनमान देने की बात कही गई है।कहा कि सावित्रीबाई फुले बालिका समृद्धि योजना का लाभ वित्त रहित संस्थाओं में पढ़ने वाली छात्राओं को भी ऑनलाइन पोर्टल खोलकर उपलब्ध कराने की मांग की गई हैश्री पाठक ने कहा कि झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक)में वित्त पदाधिकारी,परीक्षा नियंत्रक और शैक्षणिक पदाधिकारी के पदों पर नियुक्तियों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। इन पदों पर निर्धारित अहर्ता पूरी नहीं करने वाले अधिकारियों को हटाने की मांग की गई है।साथ ही जैक में करीब 18 माह से रिक्त उपाध्यक्ष के पद तथा मई माह से रिक्त 13 सदस्य पदों को अविलंब भरने की मांग की गई है।इसके अतिरिक्त बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त एवं स्थापना अनुमति प्राप्त 158 अनुदानित विद्यालयों,जिनका वर्ष 2026-27 से अनुदान रोके जाने की बात कही जा रही है, उनका अनुदान जारी रखने की मांग की गई है।मोर्चा ने इंटरमीडिएट कॉलेज,उच्च विद्यालय,संस्कृत विद्यालय एवं मदरसा विद्यालयों के शिक्षक-कर्मचारियों के लिए सेवा शर्त नियमावली बनाने की भी मांग सरकार के समक्ष रखी है। प्राचार्य शंभुनाथ पाठक ने कहा कि शिक्षक दिवस के दिन शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मी अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराएंगे और सरकार से सभी लंबित मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल की उम्मीद है।मौके पर प्राचार्य शंभनाथ पाठक,राजीव झा,प्राण नाथ तिवारी,सत्येंद्र कुमार वर्मा,अरूप चटर्जी,विनोदानंद झा,वीरेंद्र दुबे,शंभू पांडे,सत्यनिधि झा,अनुपमा झा,राधे यादव,विनोद हरि,अर्जुन महतो,बासु पहाड़िया सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

अफीम के साथ महिला गिरफ्तार

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के जोभी टोला बेहराबाद गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 1.485 किलो अफीम बरामद की। मामले में पुलिस ने 50 वर्षीय पंचिया देवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अफीम उसके पति भगवान गंझू के घर में अवैध रूप से भंडारित कर रखी गई थी। सूचना मिलने के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने पंचिया देवी के घर पर छापेमारी कर अफीम बरामद की।

कचरा प्रबंधन प्लांट में घुसा जंगली हाथी, दो घंटे तक मचाया उत्पात

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार देर रात हवाई पट्टी परिसर में स्थित ठोस अपशिष्ट कचरा प्रबंधन प्लांट में एक जंगली हाथी घुस गया। हाथी ने करीब दो घंटे तक प्लांट परिसर में घूमकर जमकर तोड़फोड़ की। अचानक हाथी के पहुंचने से वहां ड्यूटी पर तैनात नाइट गार्ड के बीच अफरा-तफरी मच गयी और उन्होंने किसी तरह छिपकर अपनी जान बचायी। जानकारी के अनुसार, देर रात हाथी हवाई पट्टी परिसर की ओर से होते हुए कचरा प्रबंधन प्लांट के मुख्य द्वार तक पहुंचा। इसके बाद उसने मुख्य गेट को क्षतिग्रस्त कर परिसर के अंदर प्रवेश कर लिया। प्लांट के भीतर पहुंचने के बाद हाथी ने अलग-अलग स्थानों पर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान कार्यालय में लगे कांच के दरवाजे और खिड़कियां भी उसकी चपेट में आ गयीं और क्षतिग्रस्त हो गयीं।

हाथी के परिसर में घुसने की जानकारी मिलते ही वहां मौजूद कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी भयभीत हो गये। नाइट गार्ड ने सामने से हाथी को आते देखा तो वह सुरक्षित स्थान पर जाकर छिप गया। करीब दो घंटे तक हाथी के परिसर में रहने के बाद उसके बाहर निकलने पर कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। प्लांट का संचालन करने वाली पायोनियर कंपनी के इंचार्ज गौरव शर्मा ने बताया कि चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले कुछ समय से जंगली हाथियों की गतिविधियां बढ़ी हैं। प्लांट के आसपास भी हाथियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले भी एक हाथी प्लांट परिसर में घुस आया था और उस समय भी काफी नुकसान हुआ था। लगातार दूसरी बार हाथी के प्लांट में प्रवेश करने से कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गयी है।

झारखंड मजदूर संघ की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

6 सितंबर से पंचायत कमेटी गठन की प्रक्रिया होगी शुरू

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल:-प्रखंड क्षेत्र के मंडई स्थित श्री मां पगली दुर्गा मंदिर परिसर में गुरुवार को झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की महत्वपूर्ण बैठक प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन कुमार शाह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन को मजबूत करने अधिक से अधिक मजदूरों का निबंधन कराने तथा पंचायत स्तर पर कमेटियों के गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में महिला मोर्चा को भी मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।इसी क्रम में संगीता देवी को झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की प्रखंड महिला मोर्चा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।वहीं संगठन के विस्तार को लेकर केंद्रीय कार्य समिति सदस्य रवि घोष एवं प्रखंड महामंत्री देवेंद्र प्रसाद ठाकुर का मनोनयन किया गया।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं को मजबूती से उठाने के लिए संगठन का पंचायत स्तर तक विस्तार जरूरी है।उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य अधिक से अधिक मजदूरों को संगठन से जोड़कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।पंचायत स्तर पर कमेटियों के गठन के बाद मजदूरों की समस्याओं को चिह्नित कर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवाज उठाई जाएगी।उन्होंने कार्यकताओं से पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।बताया गया कि राजमहल प्रखंड में कुल 23 पंचायतें हैं।इन सभी पंचायतों में संगठन को मजबूत करने के लिए 6 सितंबर 2026 से पंचायत समिति के सदस्यों के गठन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।बैठक में कार्यकताओं से पंचायत स्तर पर अधिक से अधिक मजदूरों को संगठन से जोड़ने की अपील की गई।बैठक में जिला संगठन मंत्री मार्कश मुर्मू,जिला सहायक मंत्री पोलुस गुरुजी टुडू,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सोनिया परवीन,केंद्रीय कार्य समिति सदस्य रवि घोष,प्रखंड महामंत्री देवेंद्र प्रसाद ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

झामुमो प्रखंड समिति की बैठक, सभी 22 पंचायत के अध्यक्ष ,सचिव व सक्रिय कार्यकर्ताओं से हुए रूबरू केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट:प्रखंड अंतर्गत वन विश्रामगार में झामुमो प्रखंड समिति की एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने किया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने सभी 22 पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित सक्रिय कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। सबसे पहले. एमएमडीआर को लेकर 7 सितंबर को प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में हर पंचायत से लोगो को लाने को कहा गया।ओर संगठन मजबूती एवं प्रत्येक महिनें हर पंचायत के गांवों में ग्रामीणों के साथ बैठक कर जन समस्या सुनने एवं सुलझानें की बात कही। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नाड मरांडी,प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान,पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम,जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू उपप्रमुख रुपक कुमार साह,जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम,पुसा टुडू,देव सोरेन मोहम्मद अली अंसारी सुनिराम हांसदा,लुखिराम हेंब्रम,अब्दुल मजीद,एजाज अंसारी,गुंजन सिंघानिया,शमीम अंसारी,समदा

जंगल में अवैध शराब का अड्डा ध्वस्त, 03 हजार किलो जावा महुआ नष्ट

पूर्वी सिंहभूम : जिले में अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को एमजीएम थाना क्षेत्र के कालाझोर गांव के जंगल में छापेमारी कर अवैध शराब निर्माण के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। उपायुक्त राजीव रंजन के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में शराब निर्माण सामग्री बरामद होने के साथ ही उसे मौके पर नष्ट कर दिया गया। उत्पाद विभाग की टीम ने जंगल के भीतर तलाशी के दौरान विभिन्न ड्रमों में जमा करीब 3,000 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया। शुरू जांच में पाया गया कि इस जावा महुआ का इस्तेमाल चुलाई शराब तैयार करने के लिए किया जा रहा था। टीम ने पूरे इलाके की जांच करने के बाद बरामद जावा महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया, जिससे अवैध शराब तैयार करने की प्रक्रिया को रोक दिया गया। कार्रवाई के दौरान उत्पाद विभाग ने 105 लीटर अवैध चुलाई शराब भी बरामद की। शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री को भी टीम ने नष्ट कर दिया। जंगल के अंदर सुनसान स्थान पर शराब निर्माण किए जाने से यह भी सामने आया कि कारोबारी पुलिस और प्रशासन की नजर से बचने के लिए ऐसे इलाकों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस मामले में गुनोधर महतो सहित अन्य संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग की ओर से अवैध शराब के इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

आस्था और उल्लास का पर्व है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आधी रात गूंजता है नंद के घर आनंद भयो

संवाददाता

साहिबगंज:भगवान विष्णु के आठवें अवतार माने जाने वाले श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला कृष्ण जन्माष्टमी हिंदू धर्म का प्रमुख एवं पवित्र त्योहार है।यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्म,उनके जीवन के आदर्शों और धर्म की स्थापना के संदेश को समर्पित है।वही साहिबगंज जिला सहित विभिन्न प्रखंडो के गली गांव मे श्रद्धालु इस दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार जन्माष्टमी भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है।इस दिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग भी विशेष शुभ माना जाता है।भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय को आधी रात का माना जाता है,इसलिए मंदिरों और घरों में मध्यरात्रि के समय विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।मथुरा के कारागार में हुआ था श्रीकृष्ण का जन्म पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में माता देवकी और पिता वसुदेव के यहां हुआ था।उस समय मथुरा पर उनके मामा कंस का अत्याचारी शासन था। श्रीकृष्ण का जन्म कंस के अत्याचार का अंत करने और धर्म की स्थापना के उद्देश्य से हुआ माना जाता है।जन्म के बाद वसुदेव श्रीकृष्ण को गोकुल ले गए,जहां उनका पालन-पोषण नंद बाबा और माता यशोदा ने किया। बाल्यकाल से ही श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, माखन चोरी और गोप-गोपियों के साथ उनकी लीलाएं भक्तों के बीच विशेष श्रद्धा का विषय रही हैं। व्रत,पूजा और रात्रि जागरण की परंपरा जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं और दिनभर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहते हैं।रात में श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है और इसके बाद व्रत खोलने की परंपरा है। मंदिरों और घरों में भगवान के बाल स्वरूप बाल गोपाल को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। झांकियों में दिखती हैं कृष्ण की बाल लीलाएं : जन्माष्टमी पर विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों में आकर्षक झांकियां सजाई जाती हैं। इनमें श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर गोकुल की बाल लीलाओं और कंस वध तक की झलक देखने को मिलती है। भगवान को माखन-मिश्री,पंजीरी और अन्य प्रसाद का भोग लगाया जाता है। दही हांडी में दिखता है उत्साह: जन्माष्टमी के अगले दिन महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में दही हांडी उत्सव मनाया जाता है।इसमें युवाओं की टोलियां मानव पिरामिड बनाकर ऊंचाई पर लटकी दही की हांडी फोड़ती हैं। यह आयोजन भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी की बाल लीलाओं से जुड़ा माना जाता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं,बल्कि धर्म,सत्य, प्रेम और कर्म के मार्ग पर चलने का संदेश देने वाला उत्सव भी है।

यूएस ओपन: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वेंटिन हेली को पांच सेटों में हराया, तीसरे दौर में पहुंचे

एजेंसी

न्यूयॉर्क : शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को यूएस ओपन के दूसरे दौर में फ्रांस के क्वेंटिन हेली ने कड़ी चुनौती दी। ज्वेरेव ने गुरुवार देर रात (भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के) तक चले मुकाबले में विश्व नंबर 52 हेली को पांच सेटों में 6-4, 4-6, 7-6 (7-3), 6-7 (3-7), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। 29 वर्षीय ज्वेरेव अपने शुरूआती दो मुकाबलों में अब तक करीब 10 घंटे कोर्ट पर बिता चुके हैं। तीसरे दौर में उनका सामना चिली के अलेजांद्रो ताबिलो से होगा। जीत के बाद ज्वेरेव ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, “ईमानदारी से कहूं तो मेरा प्रदर्शन काफी खराब था लेकिन मैं जीत गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यही है। उन्होंने कहा, “साढ़े चार घंटे और रात के 2

बजकर 15 मिनट हो चुके हैं। मैं जिम में इसी वजह से मेहनत करता हूं। ज्वेरेव ने उन दर्शकों का भी आभार जताया, जो देर रात तक मुकाबला देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद रहे। ज्वेरेव ने कहा, “जो कुछ हजार लोग अंत तक रुके, उन्होंने उन 15 हजार दर्शकों की कमी पूरी कर दी, जो स्टेडियम छोड़कर चले गए। पहले सेट में ज्वेरेव का दबदबा रहा। उन्होंने 5-4 की बढ़त बनाने के लिए मैच का एकमात्र ब्रेक हासिल किया और अगले सर्विस गेम में सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में 4-4 के स्कोर पर ज्वेरेव को ब्रेक प्वाइंट मिला लेकिन हेली ने वापसी करते हुए अपनी सर्विस बचाई और इसके बाद ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट 6-4 से जीत लिया। तीसरे सेट में हेली ने 4-1 की बढ़त बना ली थी लेकिन ज्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। उन्होंने टाईब्रेक में 5-1 की बढ़त बनाने के बाद सेट अपने नाम कर लिया। हालांकि, हेली ने चौथे सेट का टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में हेली से पहली गलती हुई। उनकी फोरहैंड शॉट कोर्ट से काफी बाहर चली गई, जिससे ज्वेरेव को अहम ब्रेक मिला। इसके बाद जर्मन खिलाड़ी ने दो बार अपनी सर्विस बचाकर 5-3 की बढ़त बनाई और फिर थके हुए हेली की सर्विस तोड़कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा-

काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। ' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे।

24 साल बाद

टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित

- 'कोण होणार करोडपती' में दिखेगा नया अंदाज

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है। खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया। शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, '''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है।

मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।'' माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।'' 'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया। मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो सामने आने के बाद से ही शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

न्यू साउथ वेल्स ने पीटर सिडल को बनाया गेंदबाजी कोच, जोहान बोथा स्पिन सलाहकार की भूमिका में

एजेंसी

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है। 41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फॉरेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे।

सिडल ने अपने राज्य स्तरीय करियर का अधिकांश हिस्सा विक्टोरिया के लिए खेला है। इसके अलावा उन्होंने तस्मानिया के लिए भी तीन सत्र बिताए हैं। सिडल ने न्यू साउथ वेल्स की ओर से जारी एक बयान में कहा, “इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज से जुड़ना बेहद रोमांचक है। मैं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के इस समूह का मार्गदर्शन करने के अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आने वाली गर्मियों का सत्र बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है और मैं इसमें पूरी तरह जुटने का इंतजार नहीं कर सकता। वहीं, इस साल की शुरूआत में क्वींसलैंड के कोच पद से इस्तीफा देने वाले जोहान बोथा फिलहाल अस्थायी आधार पर टीम के साथ काम करेंगे। मुख्य कोच ब्रैड हैडिन ने कहा, “पीटर और जोहान का ब्लूज के साथ जुड़ना दशार्ता है कि हम टीम के आसपास उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीटर अपने साथ काफी अनुभव और ज्ञान लेकर आए हैं और वह उस तरह के क्रिकेटर का उदाहरण भी हैं, जैसा हम अपनी टीम में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, “हमें भरोसा है कि हमने ब्लूज के लिए रोमांचक सत्र से पहले एक संतुलित और मजबूत कोचिंग टीम तैयार की है। न्यू साउथ वेल्स के तेज गेंदबाजी विभाग में ऑस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी शामिल हैं, हालांकि अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण वे राज्य क्रिकेट में कम ही खेलते हैं। इनके अलावा टीम के पास लियाम हैचर, उभरते हुए रयान हेडली, ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स, अनुभवी सीन एबॉट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस जैसे विकल्प मौजूद हैं।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए सामंथा ने शेयर किया जरूरी मैसेज, बोलीं-

मेरी एक्सरसाइज को फॉलो न करें

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारियों में लगी हुई हैं और इसी बीच, उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की खास पलों को शेयर करते हुए प्रेग्नेंट महिलाओं को खास हिदायत भी दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट किए, जिसमें वे प्रेग्नेंसी के दौरान भी जिम में वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए बताया कि वे सालों से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग कर रही हैं और डॉक्टर से परामर्श लेने के बाद ही उन्होंने स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जारी रखी।

अभिनेत्री ने प्रेग्नेंट महिलाओं को समझाते हुए कहा कि अगर मैं ये सारी एक्सरसाइज कर रहूं हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि कोई भी कर सकता है। मेरा मानना है कि सभी की प्रेग्नेंसी अलग होती है, तो अगर किसी को जारी रखनी है, तो एक बार वे अपने डॉक्टर से जरूर सलाह लें। उन्होंने लिखा, 'मैं सालों से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग कर रही हूं और डॉक्टर की परमिशन से प्रेग्नेंसी के दौरान भी इसे जारी रखा है। मेरे ट्रेनर को भी प्रेग्नेंसी के दौरान ट्रेनिंग कराने का सर्टिफिकेट हासिल है, और आप यहां जो भी देख रहे हैं, वह मेरी बॉडी, मेरे अनुभव और मेरी प्रेग्नेंसी के हिसाब से किया गया है। हर प्रेग्नेंसी अलग होती है, इसलिए कृपया मेरे वर्कआउट को अपनी प्रेग्नेंसी के लिए गाइड के तौर पर इस्तेमाल न करें। प्रेग्नेंसी के दौरान एक्सरसाइज करने से पहले अपने डॉक्टर से बात करें और किसी क्वालिफाइड ट्रेनर के साथ ही काम करें। बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु ने जून 2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और उनके पति फिल्मकार राज निदिमोरु, अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।

टूरिस्ट बनीं श्रद्धा

मुंबई की सड़कों से लेकर खाने तक की दिखाई झलक

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी सादगी और चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी छोटी-छोटी झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी वह अपने परिवार के साथ बिताए पलों की तस्वीरें दिखाती हैं, तो कभी अपने सफर और पसंदीदा चीजों से फैंस को रूबरू कराती हैं। अब श्रद्धा ने अपने ही शहर मुंबई को एक टूरिस्ट की नजर से देखने की कोशिश की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें वह मुंबई की गलियों में घूमती और शहर के अलग-अलग रंगों को महसूस करती नजर आ रही हैं। श्रद्धा कपूर की ओर से इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। पोस्ट में एक तस्वीर उनकी गाड़ी के अंदर की है, जिसमें वह सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वह एक रेस्टोरेंट में बैठी हुई भी दिखाई दे रही हैं। एक अन्य तस्वीर में खाने से सजी पूरी टेबल नजर आ रही है, जिसमें टेस्टी खानों से भरी थालियां रखी हुई हैं। इसके साथ ही उन्होंने गाड़ी से बनाए गए दो वीडियो भी साझा किए। पहले वीडियो में मुंबई का हाईवे दिखाई देता है। सामने चौड़ी सड़क और उसके दोनों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें नजर आ रही हैं। दूसरे वीडियो में सड़क किनारे लगा हुआ कपड़ों का बाजार दिखाई देता है। इस बाजार में काफी भीड़ नजर आ रही है और लोग दुकानों पर खरीदारी करते दिख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ श्रद्धा ने लिखा, 'खुद की सिटी में टूरिस्ट बने हो कभी?

क्या गोविंदा की बहू बनेंगी जॉनी लीवर की बेटी?

यशवर्धन संग वायरल वीडियो पर जैमी लीवर ने तोड़ी चुप्पी

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और जॉनी लीवर की बेटी जैमी लीवर का एक फेक वीडियो वायरल हुआ. दोनों की शादी की अफवाहें चल रही हैं.” वीडियो पर जैमी ने चुप्पी तोड़ी है. बॉलीवुड के दो दिग्गज कॉमेडियन गोविंदा और जॉनी लीवर की दोस्ती और ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से तो हर कोई वाकिफ है. लेकिन पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इन दोनों परिवारों को लेकर एक ऐसी खबर तेजी से वायरल हुई, जिसने फैंस को हैरान कर दिया. इंटरनेट पर कुछ ऐसे फर्जी और AI-जनरेटेड वीडियोज वायरल हुए, जिनमें दावा किया गया कि जॉनी लीवर की बेटी जैमी लीवर, गोविंदा और सुनीता आहूजा के बेटे यशवर्धन आहूजा से शादी करने जा रही हैं. अब शादी की अफवाहों पर खुद जैमी लीवर ने सामने आकर अपनी चुप्पी तोड़ी है और पूरे मामले का सच खुलकर बताया है. शादी की झूठी खबरों और लगातार आ रहे कॉल्स से परेशान होकर जैमी लीवर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया. जैमी ने बताया कि पहले उन्हें यह सब एक मजाक लगा, लेकिन जब बात हद से आगे बढ़ गई तब उन्हें सफाई देने के लिए सामने आना पड़ा.

जब अमिताभ को अपना बेटा समझ बैठे थे किशोर कुमार

घर बुलाकर दिखाया था वीडियो...

मेगास्टार अमिताभ बच्चन और दिग्गज गायक-अभिनेता किशोर कुमार, दोनों ने एक दौर में साथ काम किया और कई मौकों पर एक-दूसरे से मुलाकात भी हुई। इस कड़ी में बिग बी ने अब उनसे जुड़ी कुछ खास यादें साझा की हैं। इनमें एक फोन कॉल का किस्सा शामिल है, जब किशोर कुमार अमिताभ की आवाज सुनकर उन्हें अपना बेटा समझ बैठे थे। इसके अलावा, अमिताभ ने उनके घर जाने का किस्सा भी याद किया, जहां गायक ने बड़े प्यार से उनका स्वागत किया था। क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' के आने वाले एपिसोड में अमिताभ बच्चन, किशोर कुमार को याद करते नजर आएंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह बहुत ही दिलदार इंसान थे। उनसे कई बार मुलाकात हुई और वह हमेशा बेहद प्यार से मिलते थे। अमिताभ ने बताया कि उन्हें किशोर कुमार के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियो में बैठने का मौका भी मिला था। बिग बी ने कहा, ''एक बार किशोर कुमार ने मुझे अपने घर बुलाया था। उस दौर में वीडियो कैसेट्स का चलन था और किशोर कुमार को उन्हें जमा करने का बहुत शौक था। किशोर कुमार ने मुझे अपने घर पर दुनिया भर की फिल्मों और वीडियो के कैसेट्स का कलेक्शन दिखाया था। वह अपने इस कलेक्शन को लेकर काफी उत्साहित थे और बड़े गर्व से उसे दिखा रहे थे।'' इसके बाद अमिताभ बच्चन ने किशोर कुमार के साथ हुई एक मजेदार फोन कॉल का किस्सा भी सुनाया।

सीएम ने वन-क्लिक में 914 लाभार्थियों को जारी की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

–147 करोड़ 05 लाख रुपये की पेंशन लाभार्थियों के खातों में भेजी

एजेंसी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत माह अगस्त 2026 की पेंशन किस्त का वन-क्लिक के माध्यम से भुगतान किया। इसके माध्यम से 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के खातों में 147 करोड़ 05 लाख रुपये की पेंशन धनराशि भेजी गई। अगस्त माह में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 5,605 नए लाभार्थियों की पेंशन भी स्वीकृत की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को

सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सरलता एवं समयबद्धता से मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को नियमित रूप से पेंशन का भुगतान कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन व्यवस्था को सरल, पारदर्शी एवं लाभार्थी केंद्रित बनाते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए निरंतर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिन पात्र लाभार्थियों का किसी कारणवश आधार नहीं बन पा रहा है, उन्हें चिन्हित कर उनके लिए अकाउंट बेस्ड पेमेंट की व्यवस्था की जाए, ताकि आधार संबंधी समस्या के कारण कोई भी पात्र लाभार्थी पेंशन के लाभ से वंचित न रहे।

प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि अगस्त 2026 में वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण-पोषण अनुदान, तीलू रौतेली एवं बौना पेंशन योजनाओं के कुल 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के लिए 147 करोड़ 05 लाख 51 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। बताया गया कि कुल पेंशन लाभार्थियों में 2 लाख 14 हजार 711 लाभार्थी राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (ठरअढ) के अंतर्गत तथा 7 लाख 77 हजार 203 लाभार्थी राज्य स्तर पर आच्छादित हैं। अगस्त माह के पेंशन भुगतान में लगभग 140 करोड़ 11 लाख रुपये राज्यांश तथा 6 करोड़ 94 लाख रुपये केंद्रांश है। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि अगस्त माह में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कुल 5,605 नई पेंशन स्वीकृत की गई हैं। इनमें वृद्धावस्था पेंशन के 3,945, विधवा पेंशन के 1,000, दिव्यांग पेंशन के 416, किसान पेंशन के 106, परित्यक्ता पेंशन के 23 तथा भरण-पोषण अनुदान के 115 लाभार्थी शामिल हैं। बैठक में आगामी कार्यक्रमों के संबंध में भी प्रस्तुतीकरण दिया गया। बताया गया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा 18 एवं 19 सितम्बर 2026 को डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन प्रस्तावित है। सम्मेलन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता से संबंधित प्रमुख प्राथमिकताओं पर केंद्र, राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के बीच संवाद किया जाएगा। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री खजानदास, सचिव समाज कल्याण डॉ. श्रीधर बाबू अद्दांकी, अपर सचिव विक्रम यादव, संयुक्त सचिव धीरेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक गीताराम नौटियाल, सहायक निदेशक हेमलता पांडेय आदि मौजूद रहे।

धैर्य व कर्म की परीक्षा लेती है विपत्ति और चुनौतियां : बालेन्द्र शाह

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि विपत्ति और चुनौतियां, मनुष्य के धैर्य और कर्म की परीक्षा लेती हैं।

प्रधानमंत्री शाह ने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में पूरी निष्ठा के साथ अपनी भूमिका निभाना ही भगवान श्रीकृष्ण द्वारा सिखाया गया वास्तविक कर्मयोग है। उन्होंने लिखा, ह्वविपत्ति और चुनौतियां आती हैं, जो हमारे धैर्य और कर्म की परीक्षा लेती हैं। ऐसे समय में पूर्ण निष्ठा के साथ अपनी भूमिका निभाना ही श्रीकृष्ण द्वारा सिखाया गया वास्तविक कर्मयोग है। प्रधानमंत्री शाह ने कामना की कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सभी को अपने कर्तव्य के मार्ग पर अडिग रहने का धैर्य और शक्ति प्राप्त हो। उनका यह संदेश ऐसे समय में आया है, जब नेपाल प्राकृतिक आपदा से प्रभावित है और राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है।

छत्तीसगढ़ में सहकारी बैंकों व समितियों के 1,360 पदों पर भर्ती को मंजूरी

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश की सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पांच जिला सहकारी केंद्रीय बैंक क्षेत्रों तथा उनसे संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में कुल 1,360 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी है। इनमें जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के विभिन्न संवर्गों के 198 पद और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में समिति प्रबंधकों के 1,162 पद शामिल हैं। सहकारिता विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार समिति प्रबंधकों के 1,162 पदों में 596 पद सीधी भर्ती तथा 566 पद सीमित चयन के माध्यम से भरे जाएंगे। भर्ती प्रक्रिया संबंधित कर्मचारी सेवा नियम-2023, आरक्षण प्रावधानों एवं निर्धारित वित्तीय मानकों के अनुरूप संचालित की जाएगी।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सहकारी संस्थाओं को अधिक सक्षम और किसान हितैषी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती से युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, जबकि सहकारी बैंकों और समितियों की कार्यक्षमता बढ़ने से किसानों एवं खाताधारकों को बैंकिंग सेवाएं अधिक सुगमता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध होंगी। भर्ती के तहत रायपुर क्षेत्र में सर्वाधिक 508 पद, बिलासपुर क्षेत्र में 444, बस्तर-जगदलपुर क्षेत्र में 187, दुर्ग-राजनांदगांव क्षेत्र में 154 तथा रायगढ़ क्षेत्र में 67 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। बैंक संवर्ग के पदों में उप प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, प्रोग्रामर, सहायक प्रोग्रामर, फील्ड ऑफिसर और सामान्य सहायक शामिल हैं।

विभाग के अनुसार चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित संभागीय संयुक्त पंजीयक को भर्ती एवं चयन समिति का अनिवार्य सदस्य बनाया जाएगा। साथ ही पूरी प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय में लंबित विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की पहल पर लिया गया यह निर्णय प्रदेश की सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को आधुनिक एवं सक्षम बनाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा।

एओसी-इन-सी ने वायुसेना स्टेशन बमरौली की परिचालन तैयारियों का लिया जायजा

एयर मार्शल तरुण चौधरी ने वायु योद्धाओं के उच्च मनोबल और प्रतिबद्धता की सराहना की

एजेंसी

प्रयागराज : मध्य वायु कमान के वायु अफसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) एयर मार्शल तरुण चौधरी ने वायु सेना स्टेशन बमरौली का दौरा कर स्टेशन की परिचालन तैयारियों और शांतिकालीन कार्यप्रणाली की व्यापक समीक्षा की। यह जानकारी शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं प्रवक्ता, प्रयागराज विंग कमांडर देबार्थो धर ने दी। एयर मार्शल तरुण चौधरी ने वायु योद्धाओं की प्रतिबद्धता और उच्च मनोबल की सराहना करते हुए संचालनात्मक दक्षता को लगातार मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया। उनके साथ अध्यक्षा, अफवा (क्षेत्रीय) सविता चौधरी भी मौजूद रहीं। इस दौरान एयर मार्शल तरुण चौधरी ने वायुसेना

स्टेशन बमरौली में चल रहे विभिन्न क्षमता परिवर्तन प्रयासों, निर्माण कार्यों से जुड़ी सेवाओं तथा मौजूदा अवस्थापना की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन की परिचालन तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्टेशन के कार्मिकों से बातचीत के दौरान एओसी-इन-सी ने वायु योद्धाओं के समर्पण और कर्तव्य के प्रति उनकी निष्ठा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि परिचालनात्मक दक्षता वायुसेना की प्राथमिक आवश्यकताओं में से एक है। उन्होंने कार्मिकों से सौंपे गए नए कार्यों और जिम्मेदारियों के प्रभावी उपयोग पर निरंतर ध्यान केंद्रित रखने का आह्वान किया।

अमेरिका के उप राष्ट्रपति वेंस ने कहा, संघर्ष को खत्म करना ईरान पर निर्भर

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान युद्ध के खत्म होने की कोई समय-सीमा तय नहीं है। उन्होंने कहा कि छह महीने पहले अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों से शुरू हुए इस संघर्ष को खत्म करना ईरान पर निर्भर है। वेंस ने कहा कि मौजूदा टकराव को ₹युद्ध₹ भी नहीं कहा जाना चाहिए क्योंकि ₹सक्रिय लड़ाई₹ महीनों पहले खत्म हो चुकी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, वेंस ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ईरान युद्ध पर यह प्रतिक्रिया दी। वेंस ने कहा कि अभी ईरानियों के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, ₹राष्ट्रपति का रुख बिल्कुल साफ है। हम ईरान से बात नहीं कर रहे हैं और हम उनसे तब तक बात नहीं करेंगे जब तक वे कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी बंद नहीं

कर देते। एक सवाल के जवाब में वह यह नहीं बता पाए कि क्या संघर्ष 3 नवंबर को होने वाले चुनाव तक खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा, जब आप पूछते हैं कि युद्ध कब खत्म होगा तो आप मुझसे ऐसा ही सवाल पूछ रहे हैं जैसे कि ईरानी जहाजों पर गोलीबारी कब बंद करेंगे? मुझे लगता है कि असलियत यह है कि मुझे इस सवाल का जवाब नहीं पता। आपको ईरानियों से पूछना होगा। उप राष्ट्रपति यह भी नहीं बता पाए कि गैस कब सस्ती हो सकती है। उन्होंने कहा, ₹मैं यह वादा नहीं करने जा रहा हूं कि इसकी कीमत कबतक कम होगी। मैं बस इतना कहूंगा कि हमें यह याद रखना चाहिए कि हम ऐसा क्यों कर रहे हैं? पहली बात, ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न हो। वेंस ने व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में पत्रकारों को संबोधित किया। ब्रीफिंग रूम का इस्तेमाल प्रशासन ने 42 दिनों से नहीं किया था। वेंस ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों बात की और ईरान के साथ चल रहे विवाद से लेकर अपने घटे हुए वजन तक, हर तरह के सवालों के जवाब दिए।

वर्तमान सरकार भगवान राम–कृष्ण, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यावासिनी पर रखती है आस्था : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

मथुरा : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि ब्रज को लोगों की भावनाओं के अनुरूप विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुसार किया जाएगा।

अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वाह्न 9:55 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। मुख्यमंत्री रहते 20वीं बार जन्मस्थान आए योगी ने सबसे पहले यहां गर्भगृह में लाला के दर्शन किए। पूरे गर्भगृह की दीवारों को चांदी की परत लगाकर सजाया गया। यहां की अद्भुत छटा को योगी निहारते रहे। काफी देर तक उन्होंने गर्भगृह में विराजे लाला को निहारा। यहां श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

उसके उपरांत मुख्यमंत्री योगी ने योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर और फिर भागवत भवन में पहुंचे जहां उन्होंने युगल सरकार की पूजा अर्चना की। उसके उपरांत उन्होंने श्रद्धालुओं के समक्ष घोषणा की कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रजवासियों को सम्मान देने के लिए वे हर जन्माष्टमी पर मथुरा आते हैं, जबकि पिछली सरकारें अपने वोट बैंक के डर से यहां आने से कतराती थीं। उन्होंने कहा कि पहले जहां जवाहर बाग जैसी घटनाएं होती थीं, वहीं अब ब्रज में रंगोत्सव और ब्रजराज उत्सव का आयोजन होता है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान सरकार भगवान राम, कृष्ण, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी पर आस्था रखती है, जबकि पिछली सरकारों की आस्था बाबर और औरंगजेब में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग समाज में जहर घोलने, महिलाओं, अन्नदाताओं और उद्यमियों को कमजोर करने का प्रयास करते हैं लेकिन डबल इंजन की सरकार उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। भगवान कृष्ण के संदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने सभी से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने और देश को विकसित भारत बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर यूपी ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, पूर्व मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह, योगेश चौधरी सहित जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

बिलासीपाराः भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

धुबड़ी (असम) : बिलासीपारा पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए बिलासीपारा शहर के कृष्णानगर इलाके में बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस ने तुहगुड़ी से लदे एएस-01-एमसी-1773 नंबर के मैजिक वाहन में छिपाकर ले जाई जा रही बड़ी मात्रा में नशीली एवं प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की। इस मामले में पुलिस ने दो कथित ड्रग्स तस्करों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शेख फरीस और जियारुल हक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित चर क्षेत्र से प्रतिबंधित कफ सिरप लेकर बिलासीपारा शहर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन सहित कफ सिरप को जब्त कर लिया। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपित लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार में संलिप्त बताए जा रहे हैं। बरामद कफ सिरप, मैजिक वाहन और दोनों आरोपितों को थाने लाकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि प्रतिबंधित कफ सिरप की आपूर्ति कहां से की गई थी और इसे आगे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

डूबने से दादी और पोती की मौत

विश्वनाथ (असम) : विश्वनाथ जिले के बरूकुरा इलाके में तालाब में डूबने से दादी और पोती की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात तालाब में डूब रही पोती को बचाने के चक्कर में दादी भी तालाब में डूब गई। जिसकी वजह से दोनों की मौत हो गई । मृतकों की पहचान उज्ज्वल माझी और मालती मांझी के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के शव को तालाब से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। दादी और पोती की अचानक हुई मौत की वजह से इलाके में मातम छाया हुआ है।

जर्जर सड़कः कलईगांव आंचलिक छात्र संघ का उग्र प्रदर्शन

उदालगुरी (असम) : मंगलदैझभूटियाचांग संपर्क मार्ग की बदहाल एवं जर्जर स्थिति को लेकर कलईगांव आंचलिक छात्र संघ ने शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। लंबे समय से सड़क की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण नहीं होने के कारण मार्ग के विभिन्न हिस्सों में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इससे राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग को लेकर छात्र संघ के कार्यकताओं ने सड़क अवरोध कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मार्ग का जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने की मांग उठाई। छात्र संघ का आरोप है कि सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर बार-बार मांग उठाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से स्थायी समाधान के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क का निर्माण कर यातायात की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में और व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद इंडिगो विमान पोल से टकराया, सभी यात्री सुरक्षित

श्रीनगर : श्रीनगर हवाई अड्डे पर शुक्रवार को नवी मुंबई से श्रीनगर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट पार्किंग के दौरान एक खंभे से टकरा गई। विमान को नुकसान तो पहुंचा, लेकिन यात्रियों या चालक दल के किसी सदस्य को कोई चोट नहीं आई। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने एक बयान में बताया कि फ्लाइट 6ई 225 (वीटी-एनओजी) को सुबह 9:02 बजे बे नंबर 6 पर पार्क किया जा रहा था, तभी पार्किंग प्रक्रिया के दौरान विमान विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम (वीडीजीएस) के खंभे से टकरा गया। बयान में कहा गया है कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है।

बयान में यह भी बताया गया कि यात्री और चालक दल के सदस्य मैन्युअल सीढ़ियों का उपयोग करके सुरक्षित रूप से विमान से उतर गए। घटना की जांच निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के सटीक हालात और कारण का पता चलेगा। फिलहाल घटना के कारण के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। इस बीच हवाई अड्डे का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा और आगमन और प्रस्थान निर्धारित समय के अनुसार चल रहे हैं।

कश्मीर के बडगाम जिले के ऊपरी इलाकों में सुरक्षा बलों ने फिर चलाया तलाशी अभियान

बडगाम : कश्मीर के बडगाम जिले के ऊपरी इलाकों में शुक्रवार को तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया है। सुरक्षाबलों ने पीर पंजाल पर्वतमाला के दुर्गम इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान लगभग 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक वन क्षेत्र में चलाया जा रहा है, जो बडगाम-पूंछ सीमा के करीब है। ऊबड़-खाबड़ इलाके के कारण तलाशी अभियान विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। यह क्षेत्र पीर पंजाल पर्वतमाला के अंतर्गत आता है, जो कश्मीर घाटी को पूंछ-राजौरी क्षेत्र से जोड़ता है। संयुक्त सुरक्षाबलों ने गुरुवार शाम को आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया, जिसके बाद गोलियों की आवाजें सुनाई दीं। बाद में यह अभियान रात में रोक दिया गया था और शुक्रवार सुबह फिर से शुरू किया गया। सुरक्षाबलों ने संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर कड़ी घेराबंदी कर तलाशी जारी रखी है। उन्होंने बताया कि अभियान में सहायता के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को भी क्षेत्र में भेजा गया है।

स्टॉक मार्केट में सीएसएमएल की मजबूत शुरूआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली : इंटरटेनमेंट और एम्यूजमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की कंपनी कंप्लीट स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट इंडिया लिमिटेड (सीएसएमएल) के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से कंपनी के शेयर की स्थिति में सुधार हुआ, जिससे कंपनी के आईपीओ निवेशक को ठीक ठाक मुनाफा हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.96 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 139 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही उछल कर 145.85 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 01 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 144.75 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 9.75 रुपये यानी 7.22 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 74.93 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 अगस्त से 01 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

55वें केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट में सिमडेगा की बेटियों ने जीता रजत पदक

संवाददाता

सिमडगाः पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिमडेगा की अंडर-14 बालिका हॉकी टीम ने 55वें केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सिमडेगा की टीम ने पहली बार हिस्सा लिया और अपने पहले ही प्रयास में उपविजेता बनकर इतिहास रच दिया।

लीग चरण में दिखाया दमदार खेलः रांची संभाग का प्रतिनिधित्व कर रही सिमडेगा की खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लीग चरण से ही शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने चेन्नई संभाग को 3-0, आगरा को 5-0 और गुरुग्राम को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। लगातार जीत के साथ खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

गत विजेता जयपुर को हराकर फाइनल में पहुंचीः सेमीफाइनल मुकाबले में सिमडेगा की बेटियों का सामना गत विजेता जयपुर संभाग से हुआ। खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए जयपुर को 2-0 से पराजित किया। इस जीत के साथ टीम ने फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल में भोपाल से कड़ा मुकाबलाः फाइनल मुकाबला भोपाल रीजन के खिलाफ हुआ। दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। सिमडेगा की खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन उन्हें 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टीम ने रजत पदक अपने नाम किया।

पहली बार में ही बड़ी उपलब्धिः राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पहली बार भाग लेकर उपविजेता बनना पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिमडेगा के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस प्रदर्शन से विद्यालय के साथ सिमडेगा जिला और रांची संभाग का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है। टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या, शिक्षकों और पूरे विद्यालय परिवार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण के बल पर खिलाड़ी भविष्य में इससे भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

20 सितंबर को बगोदर बस पड़ाव में होगा विराट करम महोत्सव, गिरिडीह-हजारीबाग से जुटेंगे लोग

संवाददाता

बगोदरः बगोदर बस पड़ाव में 20 सितंबर को विराट करम महोत्सव का आयोजन किया जायेगा । महोत्सव में गिरिडीह और हजारीबाग जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है । कार्यक्रम के दौरान झूमर नृत्य की प्रदर्शनी समेत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे ।

महोत्सव को लेकर बगोदर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में तैयारी शुरू कर दी गयी है । आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति से जुड़े सदस्य और स्थानीय लोग लगातार बैठकें कर रहे हैं ।

सुबह से रात तक चल रही तैयारीः सामाजिक आंदोलनकारी छोटन प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता को लेकर सुबह से लेकर रात तक बैठकें की जा रही हैं । विभिन्न पंचायतों में लोगों से संपर्क कर महोत्सव में भाग लेने की अपील की जा रही है । उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह है और इसे भव्य बनाने की तैयारी चल रही है ।

करम अखाड़ा समिति का किया गया पुनर्गठनः विराट करम महोत्सव के आयोजन को लेकर करम अखाड़ा समिति बगोदर का पुनर्गठन किया गया है । समिति में प्रवीण कुमार को अध्यक्ष, परमेश्वर कुमार को सचिव और डालेश्वर महतो को कोषाध्यक्ष बनाया गया है ।

इसके अलावा शंकर दयाल, लखन मेहता को महासचिव, कुंजलाल महतो और दिनेश महतो को उपाध्यक्ष बनाया गया है । समिति का विस्तार भी किया गया है ।

समिति से जुड़े लोगों ने बताया कि महोत्सव को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है । सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ लोगों की भागीदारी बढ़ाने और आयोजन को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है ।

निर्माण उपकरण उद्योग के विस्तार की उम्मीद

रांचीः भारतीय निर्माण उपकरण निमार्ता संघ (आईसीईएमए) के अनुसार भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्माण उपकरण बाजार है। वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र का आकार 15 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026 में उपकरणों की बिक्री 1,36,995 यूनिट रही, जबकि निर्यात में करीब 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आईसीईएमए के अध्यक्ष दीपक शेट्टी ने कहा कि उद्योग के पास मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने, निर्यात विस्तार और नई तकनीक अपनाने का अवसर है।

पोड़ैयाहाट में बारिश बनी आफत,भरभराकर गिरा गरीब का आशियाना

पोड़ैयाहाटः लगातार चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश अब गरीब परिवारों के आशियाने पर आफत बनकर टूटने लगी है। पोड़ैयाहाट प्रखंड की लता दिकवानी पंचायत अंतर्गत ताराटीकर गांव में गुरुवार की रात बारिश के कारण एक मिट्टी के घर की दीवार भरभराकर गिर गयी। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य घर के अंदर मौजूद होने के बावजूद किसी तरह की जानमाल की क्षति नहीं हुई।

तेज आवाज सुनकर घर से बाहर भागे परिजनः जानकारी के अनुसार, ताराटीकर निवासी पंकज गिरी का मिट्टी का मकान लगातार बारिश के कारण कमजोर हो गया था। गुरुवार रात अचानक घर की एक दीवार भरभराकर गिर गयी। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर परिवार के सदस्य घबराकर घर से बाहर निकल गये, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, दीवार गिरने से घर में रखा अनाज और कई जरूरी सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गये। हादसे के बाद परिवार के सामने रहने और घरेलू सामान को सुरक्षित रखने की समस्या खड़ी हो गयी है।

मिट्टी का मकान ही था परिवार का एकमात्र सहाराः पंकज गिरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हैं। मिट्टी से बना यह मकान ही उनके परिवार के रहने का एकमात्र सहारा था। घर की दीवार गिरने के बाद परिवार की परेशानी और बढ़ गयी है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

मुखिया ने प्रशासन को दी जानकारी, आवास व मुआवजे की मांगः घटना की जानकारी स्थानीय मुखिया अमर यादव को दी गयी है। मुखिया ने बताया कि मामले की जानकारी प्रखंड प्रशासन को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

मुखिया ने अंचल अधिकारी से मांग की है कि जल्द से जल्द घटनास्थल का निरीक्षण कराया जाए तथा पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा देने के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए।

कई कच्चे मकानों पर मंडरा रहा खतराः लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र के कई कच्चे और जर्जर मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से ऐसे कमजोर मकानों को चिह्नित कर आवश्यक कदम उठाने और जरूरतमंद परिवारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है।

जामताड़ा स्टेशन पर हादसा, ट्रेन से गिरकर देवघर के युवक की मौत

हादसे के बाद जांच में जुटी जीआरपी

संवाददाता

जामताड़ाः जामताड़ा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसे में ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गयी। घटना प्लेटफॉर्म संख्या-1 के पास हुई। मृतक की पहचान देवघर जिले के बुढ़ई गांव निवासी मुन्ना शर्मा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ट्रेन से गिरने के बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गयी।

इलाज कराकर मामा के साथ लौट रहा था घरः मृतक के मामा सरभू शर्मा ने बताया कि वह अपना इलाज कराने के लिए रांची गये थे। इलाज के बाद वह मुन्ना शर्मा के साथ हटिया-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस से देवघर स्थित अपने घर लौट रहे थे। शुक्रवार सुबह ट्रेन जामताड़ा स्टेशन के पास पहुंची थी। इसी दौरान मुन्ना शौचालय जाने के लिए गया। शौचालय से लौटने के बाद वह ट्रेन के दरवाजे के पास खड़ा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।

परिवार का बड़ा बेटा था मुन्नाः मुन्ना शर्मा अपने परिवार का बड़ा बेटा था। उसकी अचानक हुई मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां-पिता समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की खबर से गांव में भी शोक का माहौल है। मधुपुर जीआरपी ने शव को कब्ज में लियाः घटना की सूचना मिलते ही मधुपुर जीआरपी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस मामले की प्रक्रिया के तहत घटना की जांच कर रही है।

छेड़खानी की घटना को लेकर थाना परिसर में देर रात हंगामा, पुलिस को करना पड़ा बल प्रयोग

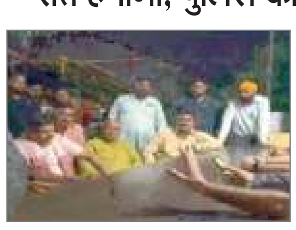

गिरिडीहः पचंबा थाना परिसर में गुरूवार देर रात हंगामा हो गया। यहां एक नाबालिग लड़की अपने साथ हुई छेड़खानी की शिकायत करने थाना पहुंची थी। पीड़िता के साथ भाजपा नेता सह वार्ड पार्षद संजीव सिंह गुड्डू भी पहुंचे थे। दूसरी तरफ मामले को लेकर पचंबा वार्ड नंबर 2 के पार्षद लालो राइन भी अन्य लोगों के साथ पहुंचे। इसी दौरान यहां मौजूद भीड़ के बीच कहासुनी हो गई। लोग दो पक्ष में हो गए। बात बढ़ी और नौबत नोक-झोंक तक आ पहुंची। दोनों पक्ष के भिड़ते और स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस ने सभी को खदेड़ा। इस दौरान लाठी भी भांजी गई। जिसके बाद हंगामा शांत हुआ। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत राय, उपाध्यक्ष नवीन सिन्हा, भाजपा नेता दिनेश यादव, आजसू नेता कम्पू यादव समेत कई नेता-कार्यकर्त्ता थाना पहुंच गए। इस बीच सूचना पर डीएसपी रूपेंद्र कुमार राणा, इंस्पेक्टर ज्ञान रंजन भी पहुंचे।

लंबी चली बैठक, भाजपा ने दिया अल्टीमेटमः थाना के स्वागत कक्ष में पुलिस पदाधिकारी और भाजपा-आजसू के नेताओं संग बैठक चली। डीएसपी-इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी राजीव कुमार की मौजूदगी में हुई इस बैठक में भाजपा के लोगों ने नाराजगी जाहिर की। भाजपा नेता दिनेश यादव ने साफ कहा कि वर्तमान में लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहें हैं। भाजपा के लोग भी असुरक्षित है। मौजूद भाजपा के सभी नेताओं ने यह मांग रखी कि नाबालिग लड़की संग छेड़खानी करने वाले लड़के, उसके पिता और उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई हो।

डीएसपी आरके राणा ने मौजूद भाजपा के लोगों को यह भरोसा दिया कि हर हाल में पीड़िता के आवेदन पर न सिर्फ प्राथमिकी दर्ज होगी, बल्कि मामले में तुरंत ही एक्शन होगा। डीएसपी ने कहा कि आरोपी कोई भी हो कार्रवाई तय है। डीएसपी के आश्वासन के बाद रात लगभग एक बजे भाजपा के लोग थाना से निकले।

घर में घुसा अनियंत्रित हाइवा, मची अफरा-तफरी, बाल-बाल बचे लोग

संवाददाता

सिमडेगाः कुरडेग प्रखंड की खिंडा पंचायत के परकला गांव में गुरुवार को एक अनियंत्रित हाइवा ट्रक सड़क किनारे स्थित एक घर से जोरदार टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गयी। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना में घर को नुकसान पहुंचा है।

मिट्टी में धंसा हाइवा का पहियाः घटना की सूचना मिलने पर कुरडेग पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क की खराब स्थिति के कारण हाइवा का पहिया मिट्टी में धंस गया। इसके बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और हाइवा अनियंत्रित होकर घर से जा टकराया। चालक ने भी सड़क की खराब स्थिति को हादसे का कारण बताया है।

तेज रफ्तार हाइवा से ग्रामीणों में चिंताः इधर, ग्रामीणों ने क्षेत्र में हाइवा चालकों द्वारा तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने पर चिंता जतायी है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई हाइवा चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। कुछ चालकों के नशे की हालत में वाहन चलाने की शिकायत भी ग्रामीणों ने की है।

जांच और कार्रवाई की मांगः ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन से हाइवा वाहनों की नियमित जांच कराने और तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि हादसे के समय यदि घर के आसपास या सड़क पर कोई व्यक्ति मौजूद होता, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। संयोग से घटना में किसी की जान नहीं गयी। पुलिस के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

टाटा स्टील के तीन डिवीजन में बोनस पर मुहर

किसी को 3.30 लाख तो किसी को मिलेंगे 72 हजार

संवाददाता

जमशेदपुरः टाटा स्टील के कर्मचारियों के बोनस समझौते के बाद कंपनी के अलग-अलग डिवीजन में भी बोनस को लेकर समझौते हो रहे हैं। गुरुवार को टाटा स्टील ग्रोथ शॉप (टीजीएस), टाटा स्टील गम्हरिया और टाटा स्टील के वायर डिवीजन का बोनस समझौता हुआ। इन तीनों डिवीजन के कर्मचारियों के बीच कुल 9.65 करोड़ रुपये से अधिक की बोनस राशि बांटी जायेगी। कर्मचारियों को न्यूनतम 32 हजार 381 रुपये से लेकर अधिकतम 3 लाख 30 हजार 134 रुपये तक बोनस मिलेगा।

टाटा स्टील ग्रोथ शॉप में 2.75 करोड़ बोनसः टाटा स्टील जनरल ऑफिस के बोर्ड रूम में टाटा स्टील प्रबंधन और टिस्को मजदूर यूनियन के बीच टाटा स्टील ग्रोथ शॉप के कर्मचारियों के बोनस को लेकर समझौता हुआ। इसके तहत टीजीएस के कर्मचारियों के बीच 2.75 करोड़ रुपये की बोनस राशि बांटी जायेगी। कर्मचारियों को न्यूनतम 34 हजार रुपये और अधिकतम 3 लाख 30 हजार 134 रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे। समझौते पर कंपनी की चीफ पीपुल अफसर अतरई सान्याल, वाइस प्रेसिडेंट इंजीनियरिंग एंड प्रोजेक्ट अक्षय खुल्लर, सीएचआरओ इंडिया मैन्युफैक्चरिंग जुबिन पालिया समेत अन्य पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किये। वहीं यूनियन की ओर से अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, महासचिव शिव लखन सिंह, उपाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय, संयुक्त सचिव नवीन कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष दिलीप महतो तथा यूनियन के कार्यकारिणी सदस्य रंजन मिश्रा, ओमप्रकाश पाठक समेत अन्य ने हस्ताक्षर किये।

टाटा स्टील गम्हरिया में 4.71 करोड़ का बोनसः टाटा स्टील गम्हरिया, जो अधिग्रहित उषा मार्टिन है, के कर्मचारियों का भी गुरुवार को बोनस समझौता हुआ। इसके तहत कर्मचारियों के बीच 4.71 करोड़ रुपये बोनस राशि बांटी जायेगी। समझौते से 672 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। कर्मचारियों को न्यूनतम 32 हजार 831 रुपये और अधिकतम 72 हजार 407 रुपये बोनस मिलेगा। पिछले साल की तुलना में इस साल कर्मचारियों को ज्यादा बोनस दिया जा रहा है। पिछले साल 773 कर्मचारियों के बीच 4.06 करोड़ रुपये बोनस राशि बांटी गयी थी। उस समय कर्मचारियों को न्यूनतम 30 हजार 581 रुपये और अधिकतम 65 हजार 218 रुपये बोनस मिला था।

इस बार के बोनस समझौते पर टाटा स्टील की चीफ पीपुल ऑफिसर अतरई सान्याल, वीपी ऑपरेशंस चैतन्य भानु, सीएचआरओ इंडिया जुबिन पालिया, चीफ एचआरबीपी यशवंत कुमार पांडेय, चीफ गम्हरिया प्लांट रंजन कुमार सिंह और एचआर हेड गम्हरिया प्लांट रोहन कुमार ने हस्ताक्षर किये। टाटा कामगार यूनियन की ओर से अध्यक्ष बीके डिंडा, महामंत्री विकास कुमार सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष देवोजित पाल ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।

वायर डिवीजन के 400 कर्मचारियों में बंटेंगे 2.19 करोड़ः टाटा स्टील के वायर डिवीजन यानी तार कंपनी और जेम्को का भी बोनस समझौता गुरुवार को हुआ। इसके तहत कंपनी के 400 कर्मचारियों के बीच 2.19 करोड़ रुपये की बोनस राशि बांटी जायेगी। टाटा स्टील में हुए समझौते की तर्ज पर वायर डिवीजन के कर्मचारियों के लिए भी बोनस समझौता किया गया है।

इस समझौते के तहत कर्मचारियों को न्यूनतम 32 हजार 381 रुपये और अधिकतम 91 हजार 132 रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे। बोनस समझौता ज्ञापन पर प्रबंधन की ओर से टाटा स्टील की चीफ पीपुल ऑफिसर अतरई सान्याल, वीपी ऑपरेशंस डाउनस्ट्रीम उज्ज्वल चक्रवर्ती, सीएचआरओ इंडिया मैन्युफैक्चरिंग जुबिन पालिया, चीफ आईआर, लीगल एवं सीडब्ल्यूएम राहुल दुबे समेत अन्य पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किये। वहीं यूनियन की ओर से अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, डिप्टी प्रेसिडेंट अमित कुमार सरकार, वाइस प्रेसिडेंट अमरीक सिंह, महासचिव पंकज कुमार सिंह, संयुक्त महासचिव मंजीत सिंह, सहायक सचिव सुजाता मित्रा और कोषाध्यक्ष भास्कर रॉय ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।

तीनों डिवीजन में करोड़ों की बोनस राशिः टाटा स्टील ग्रोथ शॉप, टाटा स्टील गम्हरिया और वायर डिवीजन को मिलाकर कर्मचारियों के बीच कुल 9.65 करोड़ रुपये की बोनस राशि बांटी जायेगी। इनमें टीजीएस में 2.75 करोड़ रुपये, टाटा स्टील गम्हरिया में 4.71 करोड़ रुपये और वायर डिवीजन में 2.19 करोड़ रुपये बोनस राशि शामिल है। तीनों डिवीजन में बोनस समझौते के बाद कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।